तापमान

अधिकतम 41.9 डिग्री

न्यूनतम 17.6 डिग्री

हरिभूमि

जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 19 अप्रैल 2026

10 हरे रंग की ड्रेस में बच्चों ने जमकर की मस्ती

10 दर्जनों दुकानदारों को मिला दुकानों का मालिकाना हक

MAHARANA PRATAP PUBLIC SCHOOL

KURUKSHETRA (Affiliated to CBSE)

2025-26

Board Results - Class X

Legacy of Excellence Shines Brighter with our District Toppers and Top Achievers!!

2nd in the District

SAMREEN KAUR
99.4 %

4th in the District

AARAV AGGARWAL
99 %

AARCHI
98.4 %

ARNAV GUPTA
98.2 %

RESULTS AT A GLANCE

% RANGE	NO. OF STUDENTS
89.6 & Above	108
75 & ABOVE	240

SUBJECTS	HIGHEST	NAME OF STUDENTS
ENGLISH	100	SAMREEN KAUR
HINDI	99	SURYAVIRA, RIDDHIMA SINGH
MATHEMATICS	98	AARAV AGGARWAL, ABHINAV, KARTIK JANGRA
SCIENCE	100	AARAV AGGARWAL, ABHINAV, SAMREEN KAUR, RISHIT
SOCIAL SCIENCE	100	NISHITA, AFSHA
SANSKRIT	100	SAMREEN KAUR, SHUBHRA TRIPATHI, SURYAVIRA
PUNJABI	95	TEJASWINI SHARMA
ARTIFICIAL INTELLIGENCE	100	SAMRIDHI, AARAV AGGARWAL, AARCHI, KESHAV DHAWAN, ARNAV GUPTA, KHUSHPREET SINGH, DIPANSHU VATS, AAYUSH KUMAR, RUDRA GOSWAMI, NIHAL, RAGHAV KUMAR, ANGEL SETHI

RISHIT 98 %
ABHINAV 97.8
SURYAVIRA 97.8
VAIDEHI 97.6
NIYATI 97.6
TANISHA 97.2
YASHIKA 97.2
TEJASWINI 97

CHHAVI RANI 96.6
SAMRIDHI 96.4
JATIN 96.2
KARTIK JANGRA 96
NISHITA 96
AFSHA 96
PARISHA 96
YASHIKA 95.8
ANIRUDH 95.8
YASH 95.4
ABHAY DUTT 95.4
RISHABH 95.2
DISHA SAINI 95.2

KESHAV 95.2
VEDANTIKA 95
SHREYANSH 95
KHUSHPREET 95
AISHWIN 95
AVIKA 95
PARINEETA 94.8
SHUBHRA 94.8
AVNI SHARMA 94.8
BHAVYA 94.6
CHARVI 94.6
PRANJAL 94.4
AKSHARA 94.2

SUHANI 94.2
PRIYANSHU 94.2
YASHVI 94.2
RAGHAV 94.2
RUDRA 94.2
AAYUSH 94
HEMANT 93.8
SUKHMAN 93.8
PRACHI 93.6
AARAV 93.4
ALIYA 93.4
AARUSH 93.4
NIHAL 93.4

AYUSH 93.4
PRIYANSHI 93.4
KHYATI 93.2
BHANU 93.2
SHIVANSH 93.2
BHAVYA 93
ABHAY 93
YASHU 93
RUDRA 93
KASHVI SAINI 92.6
PALAK 92.6
SAMARTH 92.4
GOURAV 92.4

BANI CHAWLA 92.2
GARIMA 92.2
RISHITA 92.2
DRISHTI 92.2
HARSHIKA 92.2
MAHI 92.2
JIGYASHU 92
KESHAV 92
HARSHIT 92
YASH SINGH 92
YASHIKA 92
CHARMI 91.8
PARTIGYA 91.8

ARPITA 91.8
RIDDHIMA 91.8
NIKUNJ 91.6
SARTHAK 91.6
SHIVAM 91.6
NIRBHAY 91.4
ARYAN 91.4
HIMANSHU 91.4
TEJJAL SONI 91.4
NAINA 91.4
DIVYANSH 91
PULKIT 91
CHAHAT 91

ANGAD SINGH 90.8
NEHAL 90.8
RUHANI 90.8
DIPANSHU 90.6
AKHIL 90.4
YASHVI 90.4
SAKET NAIN 90.4
DISHA 90.4
JAHANVI 90.2
SAM MADAAN 90.2
NAVDEEP 90
MEGHA 90
HARDIK 90

SMEEKSHIT 90
YASHIKA 89.8
YASHRAJ 89.8
ASHNEET 89.6
AYUSH KUMAR 89.6

MPPS OFFERS
'THE PRATAP SCHOLARSHIP'
TO HONOUR THE MERITORIOUS STUDENTS FOR THEIR EXCELLENT PERFORMANCE IN THE CLASS 10TH BOARD EXAMINATION

50% TO 100% CONCESSION IN TUITION FEE AS A REWARD FOR DILIGENCE & DETERMINATION

The MPPS family congratulates achievers and their proud parents on this milestone.

+91-80597-00244 maharanapratapschool@yahoo.co.in www.mppskkr.com

खबर संक्षेप

विद्यालय में करवाया दहेज की कुरीतियों से अवगत

रादौर। राजकीय उच्च विद्यालय मंधार में शनिवार को कार्यक्रम आयोजित कर राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद हरियाणा, गुड़गांव के अंतर्गत स्कूल के बच्चों को प्रार्थना सभा में दहेज की कुरीतियों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्रधानाचार्य रोहित अरोड़ा ने की। वहीं स्टाफ सदस्य उमा कंबोज ने सभी बच्चों को दहेज की बुराई के बारे में विस्तार से बताया। स्कूल के सभी बच्चों को दहेज प्रथा की बुराइयों के साथ-साथ दहेज न लेने के लिए एक शपथ भी दिलवाई गई। इस अवसर पर उमा कंबोज, राजेश, सुशील, प्रीति आदि मौजूद रहे।

धरोहर स्थल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम

रादौर। मुकंदलाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को धरोहर स्थलों व वन्य जीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कक्षा छठी से आठवीं तक के छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद ग्रोवर मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत पीपीटी द्वारा धरोहर स्थलों के महत्व व वन्य जीव संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए शुरू किया गया। यह कार्यक्रम अध्यापिका योगिता व किरण की देखरेख में आयोजित हुआ।

सड़क सुरक्षा को लेकर लापरवाही बर्दाश्त नहीं

यमुनानगर। जिला सचिवालय में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त प्रीति ने की। बैठक में सड़क एवं यातायात के नियमों पर गहनता से विचार किया गया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

उपायुक्त प्रीति ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिले में दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट) की पहचान कर उन्हें शीघ्र ठीक किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त प्रीति ने कहा कि सड़क सुरक्षा न केवल महत्वपूर्ण विषय है। बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाकर अमूल्य जिंदगियों को बचाया जा सकता है।

जनता पब्लिक स्कूल में बैगलेस डे पर कार्यक्रम

रादौर। जनता पब्लिक स्कूल, अलाहर में शनिवार को बैगलेस डे का आयोजन किया गया। यह आयोजन एनईपी 2020 के दिशा-निर्देशों के तहत कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन मुकेश शास्त्री द्वारा किया गया। कार्यक्रम में चेयरमैन के साथ एमडी रूबी कंबोज व प्रधानाचार्य डॉ. कल्पना बजाज ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। बैगलेस डे के अवसर पर विद्यार्थियों ने बिना स्कूल बैग के विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों में भाग लिया।

बच्चों के स्वांगीण विकास को क्विज स्पर्धा जरूरी

रादौर। लाइक पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल रादौर में शनिवार को कक्षा 4 से 10 तक के विद्यार्थियों के लिए एक ज्ञानवर्धक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह, आत्मविश्वास एवं सक्रियता के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान सामान्य ज्ञान एवं विभिन्न शैक्षणिक विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे गए। जिनका विद्यार्थियों ने बहुत ही समझदारी और तत्परता से उत्तर दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विद्यालय की प्रधानाचार्य नेह देवी मौजूद रही।

पुलिस ने दूसरे परिवार के चार लोगों के खिलाफ किया केस दर्ज

जमीनी रंजिश में परिवार के 3 लोगों को लाठी डंडों और कस्सी से हमला कर किया घायल

■ कुछ दिन पहले आपस में हुई थी कहासुनी, लोगों ने समझा कर करवाया था शांत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

छछरौली थाना क्षेत्र के गांव लोपों में जमीनी विवाद को लेकर दो परिवारों में झगड़ा हो गया। आरोप है कि जमीनी रंजिश के चलते एक परिवार के चार लोगों ने दूसरे परिवार के तीन लोगों पर लाठी, डंडों व कस्सी से हमला कर दिया। जिससे तीनों लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी परिवार के चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

गांव लोपों निवासी गुलशन कुमार ने छछरौली पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसका गांव के ही रामेश्वर दास के साथ जमीनी विवाद चल रहा है। जमीनी विवाद के चलते उनका कुछ दिन पहले भी आपस में कहा सुनी हो गई थी। उस समय अन्य लोगों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया था। जिसके बाद से रामेश्वर दास व उसके परिवार के सदस्य उसके परिवार के लोगों से रंजिश रखने लगे। गुलशन कुमार ने बताया कि 11 अप्रैल को सुबह 11 बजे वह गांव में ही किसी काम से जा रहा था। इस दौरान आरोपी रामेश्वर दास ने अपनी पत्नी सरोज बाला, बेटे राहुल व विकास के साथ उसे रोक लिया। आरोपियों ने उनके साथ गाली गलौज करनी शुरू कर दी। शोर सुनकर जब उसकी पिता अमीचंद व मां मौके पर पहुंची तो आरोपियों ने उन पर लाठी डंडों व कस्सी से हमला कर दिया। जिससे वह तीनों घायल हो गए। शोर सुनकर जब आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचे तो आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। परिजनों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया और मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

विदेश भेजने के नाम पर युवक से हड़पे साढ़े छह लाख रुपये

■ पुलिस ने एक युवक व युवती के खिलाफ किया धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

विदेश भेजने के नाम पर गांव मुंडाखेड़ा निवासी तरसेम से साढ़े छह लाख रुपये हड़प लिए गए। आरोप गांव मुंडाखेड़ा निवासी प्रवेश व चंडीगढ़ निवासी पारुल पर लगा है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार गांव मुंडाखेड़ा निवासी तरसेम ने व्यासपुर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार के लिए विदेश जाना चाहता था। इस दौरान उनके गांव के ही प्रवेश ने उसे बताया कि चंडीगढ़ निवासी पारुल ने अपना कार्यालय बनाया हुआ है। वह लोगों को विदेश भेजने का काम करती है। इस दौरान प्रवेश ने चंडीगढ़ ले जाकर उसे पारुल से मिलवाया। पारुल ने उसे विदेश भेजने का झांसा देकर उससे अलग-अलग करके साढ़े छह लाख रुपये ले लिए। इसके बाद भी आरोपी ने उसे विदेश नहीं भेजा। जब उसने आरोपियों से इस बारे बात की तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। परेशान होकर उसने आरोपियों से पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने पैसे देने से मना कर दिया। उसने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

प्रताप नगर जंगल से खैर की लकड़ी चोरी

यमुनानगर। जिले के प्रताप नगर क्षेत्र के जंगल से खैर तस्करों ने हजारों रुपये की खैर की लकड़ी काटकर चोरी कर ली। पुलिस ने वन दरोगा की शिकायत पर दो खैर तस्करों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार प्रताप नगर ब्लॉक रेंज कलेसर के वन दरोगा संदीप ने प्रताप नगर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि प्रताप नगर जंगल में खैर के पेड़ लगे हुए हैं। 17 अप्रैल को शाम चार बजे उसे सूचना मिली थी कि जंगल से कुछ लोगों ने खैर के पेड़ काटकर चोरी कर लिए हैं। सूचना मिलते ही वह टीम के साथ मौके पर पहुंचा। इस दौरान जंगल से तीन खैर के पेड़ कटे मिले। जांच करने पर पता चला कि यह खैर के पेड़ गांव खिल्लेवाला निवासी मुंशी व आरिफ ने काटे हैं। उसने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद दोनों खैर तस्करों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

युवक ने बहला-फुसला कर महिला के साथ किया दुष्कर्म

■ आरोपी पर अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देने का आरोप, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर यमुनानगर की एक कॉलोनी में युवक ने बहला फुसला कर महिला के साथ दुष्कर्म किया। आरोप है कि इस दौरान आरोपी युवक ने महिला की अश्लील वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार शहर की एक कालोनी निवासी 32 वर्षीय महिला ने महिला पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी आरोपी युवक के साथ जान पहचान थी। इस दौरान आरोपी ने उसका मोबाइल नंबर ले लिया। इसके बाद वह उससे मोबाइल पर बात करने लगा। आरोपी ने बहला फुसलाकर उसे गत 31 जनवरी को मिलने के लिए बुलाया। जब वह आरोपी से मिलने के लिए गई तो आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने उसकी वीडियो बना ली। आरोपी ने इस बारे में किसी को बताने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि इसके बाद आरोपी उसकी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। परेशान होकर उसने आरोपी के खिलाफ महिला पुलिस थाने में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

यमुनानगर। राजकीय महाविद्यालय छछरौली में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शपथ दिलाते हुए अतिथि। फोटो : हरिभूमि

कुपोषण पर अंकुश के लिए सही पोषण जरूरी : कुसुम

यमुनानगर। राजकीय महाविद्यालय छछरौली में पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत जागरुकता कार्यक्रम हुआ। जिसमें विद्यार्थियों को पोषण के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी कुसुम लता ने भाग लिया। मौके पर विद्यार्थियों को बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई। मुख्य वक्ता एवं महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी कुसुम लता ने बताया कि जिला कार्यक्रम अधिकारी मिक्षा रंगा के मार्गदर्शन में पोषण पखवाड़ा के तहत विभिन्न गतिविधियां की जा रही हैं। विद्यार्थियों को पोषण संबंधित जानकारी दी गई। पोषण पखवाड़े का उदेश्य है कि सभी पोषण के प्रति जागरूक रहें। उन्होंने कहा कि पोषण के लिए महंगे उत्पादों की आवश्यकता नहीं है । घर के पौष्टिक आहार से इसकी पूर्ति की जा सकती है। फल सब्जियां, दालों और नियमित व्यायाम से इसकी पूर्ति की जा सकती है। इस पखवाड़े का मुख्य विषय जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क का अधिकतम विकास है। यह इस बात को मान्यता देता है कि प्रारंभिक बचपन विशेष रूप से पहले एक हजार दिन मस्तिष्क के विकास, शारीरिक विकास और समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील तनेजा, डॉ.रजनी, सुपरवाइजर प्रीति सुमन ,सोनिया व कुलदीप मौजूद रहे।

ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल के छात्रों को क्रिकेट प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल सांगीपुर के विद्यार्थियों ने क्रिकेट चैंपियनशिप में परचम लहराया। स्कूल के खेलकूद विभाग के अध्यापक संजय कुमार ने बताया कि संजय गांधी स्कूल हरनौल में सुरेंद्रा क्रिकेट अकादमी के तत्वावधान में सुरेंद्रा प्रीमियर लीग आयोजित की गई थी। इस लीग में ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल के लड़को की 14 आयु वर्ग क्रिकेट टीम ने द्वितीय स्थान हासिल कर स्कूल व क्षेत्र का नाम रोशन किया। विजेता टीम में सार्थक, खवीश, लेविन, दिव्यम, दक्ष, दिग्विजय, रूद्र शर्मा, शौर्य, हितेश, परवर, युवराज, भारत व हितेश राणा शामिल रहे। सार्थक को चैंपियनशिप के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज व हितेश राणा को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज पुरस्कार से नवाजा गया। स्कूल में पहुँचने पर विजेताओं का स्वागत किया गया। विजेताओं का स्वागत करने के पश्चात प्रधानाचार्य रीतू सिंगला ने खिलाड़ियों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि जिन विद्यार्थियों ने इस चैंपियनशिप में भाग लिया वो सभी बधाई के पात्र हैं व टीम के प्रशिक्षक बच्चों को इतनी मेहनत कराने के लिए सराहना के पात्र हैं। उन्होंने इस जीत को ग्लोब हेरिटेज फैमिली की जीत बताते हुए कहा कि स्कूल में शैक्षिक अध्ययन के साथ बच्चों के शारीरिक विकास के लिए खेलकूदए मानसिक विकास के लिए आर्ट एवं क्राफ्ट व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर बच्चों को प्रतिभागिता हमेशा कराई जाती रहेगी।

यमुनानगर। रादौर स्थित ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल के विजेता खिलाड़ी खुशी मनाते हुए। फोटो : हरिभूमि

अखिल भारतीय पाल गड़रिया महासभा ने मेधावी छात्र को किया सम्मानित

रादौर। अखिल भारतीय पाल गड़रिया महासभा की ओर से गांव कलेसरा में एक सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गाँव कलेसरा के मेधावी छात्र प्रतीक को कक्षा 10वीं में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए है। प्रतीक एक साधारण परिवार से सम्बब्ध रखता है। कार्यक्रम में अखिल भारतीय पाल गड़रिया महासभा के प्रदेशाध्यक्ष नरसिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। प्रदेशाध्यक्ष नरसिंह पाल ने बताया कि सभा हर वर्ष होनहार बच्चों को समय समय पर पुरस्कृत करती रहती है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राकेश पाल, जिला महासचिव मास्टर रामेश्वर बापा, नरेश हिरणवाल, सचिन पाल, सरपंच अंकित, सरदार जसविंदर, नवजोत, बलजीत सिंह, हंसराज, बलराम, मामचंद, जगदीश, रोशनलाल आदि मौजूद रहे।

उत्थान संस्थान ने दिव्यांग बच्चों के लिए लगाया दंत चिकित्सा शिविर

यमुनानगर। उत्थान संस्थान की कोशिश ईकाई में दिव्यांग बच्चों के लिए दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें महर्षि मारकंडेश्वर कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस एंड रिसर्च विश्वविद्यालय के डेंटल डॉक्टर की टीम द्वारा बच्चों के दांतों की जांच की गई। शिविर के दौरान डॉक्टरों द्वारा बच्चों को दांतों के उचित रखरखाव की जानकारी भी दी गई। संस्थान की डायरेक्टर डॉक्टर अंजू बाजपई ने आए हुए सभी डॉक्टर का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस तरह शिविर लगाने का मुख्य उद्देश्य बच्चों को मौखिक स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ दांतों से सम्बंधित रोगों की समय पर पहचान कर उचित परामर्श प्रदान करना है। शिक्षाविद डॉक्टर पीके बाजपई ने कहा कि दिव्यांग बच्चे हमारे समाज का अहम हिस्सा है। डेंटल कॉलेज से दंत चिकित्सक डॉक्टर दिव्या शर्मा, डॉक्टर देवांशी व्यास और डॉक्टर अपूर्वा ने एक-एक बच्चों की दांतों की जांच करने के साथ-साथ उन्हें परामर्श भी दिया। दंत चिकित्सकों ने बच्चों को दांतों में कीड़ा लगना, मसूड़ों की समस्या, बदबूदार सांस जैसी आम समस्याओं पर परामर्श दिया। शिविर के माध्यम से बच्चों को उनके बेहतर स्वास्थ्य व उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई। मौके पर संस्थान से प्रधानाचार्य रविंद्र मिश्रा, स्वाति ठाकुर ,सुमित सोनी, हनी तोमर, राजेश, दीपा सन्नी और रिंकी मौजूद रहे।

साइबर ठगी से बचने के लिए नागरिक रहें सतर्क : गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला पुलिस प्रशासन द्वारा नागरिकों को साइबर ठगी से बचने के लिए ईमेल, एसएमएस व काल स्पूफिंग से सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इस संबंध में जिला पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की गई है। ताकि जिलेवासी साइबर ठगों की किसी भी ठगी से बच सकें।

एसपी कमलदीप गोयल

पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने बताया कि वर्तमान समय में ईमेल स्पूफिंग, एसएमएस स्पूफिंग और कॉल स्पूफिंग जैसे साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। इन तकनीकों के माध्यम से ठग किसी भी व्यक्ति,अधिकारी या संस्था के नाम व नंबर का इस्तेमाल कर लोगों को कॉल या मैसेज कर सकते हैं। कई मामलों में ठग खुद को बड़े अधिकारी बताकर लोगों को गुमराह करते हैं और तुरंत कार्रवाई या पैसे की मांग करते हैं। उन्होंने बताया कि कई बार कॉल करने वाले की आवाज और नंबर दोनों असली प्रतीत होते हैं। जिससे आमजन आसानी से झांसे में आ जाते हैं। ठग जानबूझकर जल्दबाजी और दबाव बनाकर लोगों से तुरंत निर्णय लेने को कहते हैं। जिससे वे बिना सोचे समझे उनकी बातों में आ जाते हैं। उन्होंने बताया कि कई मामलों में ठग कॉल तो किसी के नंबर से कर लेते हैं। लेकिन उस नंबर पर कॉल रिसीव नहीं कर पाते। इसी प्रकार फर्जी ईमेल भेजा जा सकता है। लेकिन उसी ईमेल पर जवाब प्राप्त नहीं होता। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने बताया कि किसी भी कॉल, मैसेज व ईमेल पर तुरंत विश्वास नहीं करें, यदि कोई व्यक्ति खुद को अधिकारी,परिचित बताकर बात करे तो घबराएं नहीं। एसी स्थिति तुरंत उसी नंबर पर कॉल बैक कर सत्यापन करें।

1060 अंग्रेजी व 352 देसी शराब की बोतलें पुलिस ने की नष्ट

यमुनानगर। जिला पुलिस प्रशासन द्वारा आबकारी अधिनियम के तहत पकड़ी गई शराब को नष्ट कर दिया। मौके पर डीएसपी मुख्यालय कवलजीत सिंह, थाना प्रबंधक निरीक्षक कमलजीत सिंह व एक्साईज इंस्पेक्टर गुरमीत सिंह गोयत मौजूद रहे। डीएसपी कवलजीत सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने सभी थाना प्रबंधकों को निर्देश दिए कि जिस भी थाना का माल मुकदमा पेंडिंग है उन सभी का अदालत के माध्यम से निपटारा करवा कर माल मुकदमों को नष्ट करवाया जाए। इसी कड़ी में आबकारी अधिनियम के तहत पकड़ी गई कुल 352 बोतल देसी शराब, 1060 बोतल अंग्रेजी शराब को थाना सदर यमुनानगर के पिछले प्रांगण में बुल्डोजर के माध्यम से क्षतिग्रस्त किया गया है। यह निर्णय पुलिस कर्मचारियों की स्वास्थ्य को देखते हुए लिया गया है। पुरानी शराब के कारण मालखाना में बदबू हो जाती है। वहीं, मालखाना से अन्य माल मुकदमा निकालने में भी परेशानी होती है।

टीबी पर रोक को जागरूकता फैलाए युवा वर्ग : अरोड़ा

यमुनानगर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में टीबी मुक्त अभियान की जानकारी देते हुए विधायक घनश्याम दास अरोड़ा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान(आईटीआई) यमुनानगर में टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत टीबी स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्यातिथि के रुप में सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने भाग लिया। वहीं, कार्यक्रम की अध्यक्षता आईटीआई के प्राचार्य भूपेंद्र सिंह सांगवान ने की।

मुख्यातिथि एवं विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने शिक्षकों व विद्यार्थियों को टीबी मुक्त कार्यक्रम एवं आयुष्मान आरोग्य शिविर के उद्देश्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी देश का महत्वपूर्ण अंग है और उन्हें समाज में टीबी के प्रति जागरूकता फैलाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने सभी को प्रेरित किया कि यदि किसी व्यक्ति में टीबी के लक्षण दिखाई दें तो वह तुरंत अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच करवाए। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने विद्यार्थियों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में अवगत करवाया।

योग और ध्यान को बनाएं दिनचर्या का हिस्सा, रहेंगे सेहतमंद : डॉ. सैनी

यमुनानगर। जिला आयुष विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में नागरिक अस्पताल यमुनानगर में आयुष योग सहायको के लिए आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का शनिवार को समापन हो गया। समापन अवसर पर आयुष विभाग के योग विशेषज्ञ एवं जिला योग कोर्डिनेटर डॉ. शिव कुमार ने योग सहायकों को विभिन्न यौगिक क्रियाएं करवाई। जिला योग कोर्डिनेटर डॉ. शिव कुमार सैनी ने बताया कि आयुष विभाग द्वारा महानिदेशक आयुष विभाग हरियाणा के निर्देशानुसार एवं जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. प्रतिभा भाटिया के मार्गदर्शन में योग आयोग के सहयोग से 12वें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में नागरिक अस्पताल में योग सहायकों के लिए योग प्रोटोकाल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा था। जिसका आज समपान हो गया। उन्होंने कहा कि इस योग प्रशिक्षण शिविर में आगामी अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस में किए जाने वाले योग प्रोटोकॉल के विभिन्न सुक्ष्म योग क्रियाऐं व आसनों में ताड़ासन, वृक्षासन, अर्धचक्रासन, पादहस्तासन, त्रिकोनासन, भद्रासन, वज्रासन, उस्ट्रासन, शशांकासन, वक्रासन, भुजंगासन, शलभाआसन आदि के साथ कपालभाति, अनुलोमविलोम, भ्रामरी आदि का अभ्यास करवाया गया। इस दौरान सभी आसनों की विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने योग सहायकों को आहवान किया कि स्वस्थ रहने के लिए योग ध्यान को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना जरुरी है। मौके पर टीटा टिक्कू, उपेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

सुविधा

नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी ने विकास कार्यों का किया शिलान्यास

जोड़ियां में 81.49 लाख से बनेंगी गलियां

■ गलियों के निर्माण से ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

नगर निगम यमुनानगर की मेयर सुमन बहमनी ने शहर के वार्ड नंबर 18 के जोड़ियां गांव में करीब 81.49 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर भाजपा नेता नेपाल राणा और पार्षद उज्जवल सिंह ठाकुर भी मौजूद रहे।

मेयर ने बताया कि विकास कार्यों में करीब 49.99 लाख रुपये की लागत से विभिन्न गलियों के निर्माण व स्टॉर्म वाटर लाइन बिछाने का कार्य किया जाएगा। परियोजना के तहत जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। जिससे बरसात में जलभराव की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी। गलियों के निर्माण से ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध होगी। करीब 31.70 लाख की लागत से अन्य स्थान पर गलियों और नालियों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्यों को पूरा किया जाए। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

यमुनानगर। जोड़ियां गांव में विकास कार्यों का शिलान्यास करतीं मेयर।

बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना उद्देश्य

सरकार का उद्देश्य है कि हर क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराकर लोगों का जीवन स्तर बेहतर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मौके पर भाजपा नेता नेपाल राणा ने कहा कि प्रदेश सरकार विकास कार्यों को लेकर गंभीर है और शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार योजनाएं लागू की जा रही हैं। पार्षद उज्जवल सिंह ठाकुर ने कहा कि इन विकास कार्यों से जोडPयिों गांव के निवासियों को सीधा लाभ मिलेगा और गांव की तस्वीर बदलेगी। मौके पर मंडल महामंत्री संदीप बालियान, जगमाल पंजेटा, मनोज नंबरदार, प्रदीप शर्मा, सौरव, अमरेश त्यागी, राजीव सैनी, मोनू वर्मा, रमेश, राकेश, वरिंदर यादव, विशाल शर्मा, कमल, सुनीता व डिंपल मौजूद रहें।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में किया जागरूक

कुरुक्षेत्र। जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कुरुक्षेत्र दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में तथा डीएलएसए की सीजेएम एवं सचिव सचिव नीतिका भारद्वाज के दिशानिदेर्शानुसार, 9 मई 2026 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जिला न्यायालय, कुरुक्षेत्र में हेल्प डेस्क लगाया गया। इस हेल्प डेस्क पर पीएलवी पूनम द्वारा आम जनता को राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जागरूक किया गया और उन्हें इसके लाभ बताए गए।

गीता विद्यालय के छात्रों को विद्यालय में खिलाएं खेल

कुरुक्षेत्र। श्रीमद्भागवदगीता सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कुरुक्षेत्र में छात्रों के लिए एक शानदार खेल कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस आयोजन में 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर की दौड़ के साथ-साथ 'स्लो साइकिलिंग' जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं शामिल रहीं, जिसमें छात्रों के उत्साह और खेल भावना का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का सफल संचालन राजीव और भूपेंद्र शारीरिक शिक्षा विभाग के आचार्यों के मार्गदर्शन में किया गया।

उपायुक्त ने 145 ग्राम पंचायतों के सरपंचों को किया सम्मानित

प्रदेश के टीबी मुक्त अभियान में कुरुक्षेत्र का राज्य में दूसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान में हिस्सा लेते हुए कुरुक्षेत्र जिला ने प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। प्रशासन का लक्ष्य प्रथम स्थान पर रहते हुए जिला को टीबी मुक्त बनाना है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम और मेहनत के साथ काम करेगी और इस लक्ष्य को हासिल करने में प्रशासन स्वास्थ्य विभाग को पूरा सहयोग करेगा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा शनिवार को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित टीबी मुक्त कुरुक्षेत्र अभियान के तहत पंचायत सम्मान समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, जिप चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, सीएमओ डा. सुखबीर सिंह ने जिला की 145 पंचायतों को प्रशंसा पत्र व स्मृत्ति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसमें 23 पंचायतों को गोल्ड, 49 पंचायतों को सिल्वर और 74 पंचायतों को ब्राउंज कैटेगरी में चयनित कर पुरस्कार दिया गया। उन्होंने कहा कि पहले साल टीबी मुक्त होने वाली पंचायत को ब्राउज, लगातार दो साल टीबी मुक्त पंचायत को सिल्वर और

कुरुक्षेत्र। सरपंच को सम्मानित करते उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा व जिप अध्यक्षा कंवलजीत कौर।

लगातार 3 साल से टीबी मुक्त पंचायत को गोल्ड कैटेगिरी में रखा गया है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की थी। इस मुहिम को जिला में टीबी मुक्त कुरुक्षेत्र अभियान से चलाया जा रहा है। एआई के माध्यम से 104 पंचायतों को हाई रिस्क के तौर पर पहचाना गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने वर्षभर में 550 शिविर लगाए। टीमों ने प्रति लाख पर 7520 सैंपलिंग की गई। उन्होंने कहा कि छाती के टीबी केस 4104 के संपर्क में आने वाले कॉटैट निकाले गए, जिनमें से 4072 को बचाव की दवाई दी गई।

पंचायतों को जागरूक करने के लिए प्रतिनिधियों के साथ स्वयं पहुंचेंगी गांव-गांव में : कंवलजीत

जिला परिषद की चेयरपर्सन कंवलजीत कौर ने कहा कि सरकार की योजनाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियानों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए वे स्वयं सरपंचों के साथ गांव-गांव में पहुंचेंगी। इस जिले के हर गांव में योजनाओं के प्रति लोगों में जागरूकता लाना बहुत जरुरी है। इस कार्यक्रम में डिप्टी सिविल सर्जन डा. सैलजा, डा. संदीप अग्रवाल, डा. अंजलि वैद्य ने भी स्वास्थ्य विभाग के टीकाकरण अभियानों पर विशेष प्रकाश डाला। इस मौके पर डिप्टी सीएमओ डा. जोगिंद्र मलिक, एसएमओ डा. सुरेश सहोता सहित अन्य गणमान्य लोग व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

टीबी मुक्त भारत की दिशा में बड़ी पहलः विकल चौबे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

- डीसी व जिप अध्यक्ष ने पंचायत धनीरामपुरा को किया सम्मानित

देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे विशेष जागरूकता अभियानों का असर अब जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। इसी कड़ी में जिला स्तर पर एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें टीबी मुक्त पंचायतों के सरपंचों को आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा और जिला परिषद की चेयरपर्सन कंवलजीत कौर ने भाग लिया। उन्होंने गांव धनीरामपुरा के सरपंच विकल कुमार चौबे सहित अन्य सरपंचों को विशेष रूप से

सम्मानित किया। धनीरामपुरा को जिले की दूसरी बार टीबी मुक्त पंचायत के रूप में मान्यता मिली है, जो पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। सम्मान प्राप्त करने के बाद सरपंच विकल कुमार चौबे ने कहा कि यह उपलब्धि गांव के सभी नागरिकों, स्वास्थ्य कर्मियों और प्रशासन के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इस अवसर पर अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वार्ड 13 में शुरू हुआ नए बोरवेल का काम : शर्मा

घरों में पीने के पानी की किल्लत होगी दूर

पिहोवा। नए बोरवेल के काम का शुभारंभ करते भाजपा नेता जयभगवान शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

नगर पालिका के वार्ड नंबर 13 में पीने के पानी की सप्लाई के लिए नए ट्यूब्वेल का कार्य शुरू किया गया। भाजपा नेता जय भगवान शर्मा डीडी ने ट्यूबवेल के कार्य की शुरूआत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पेयजल, सड़क शिक्षा व चिकित्सा जैसे जनहित के मुद्दों को ध्यान में रखकर निरंतर विकास कार्य करवा रही है। सरकार की विकासकारी नीतियों के तहत पंचायत व वार्ड स्तर पर लोगों की समस्याओं को सुनकर उनका निवारण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में दर्जनों की संख्या में पेयजल बोर स्थापित किए गए। जिससे प्रत्येक घर को पीने का पानी उपलब्ध हुआ है। वार्ड नंबर 13 के पार्षद महंत दीपक प्रकाश ने कहा कि एक ट्यूबवेल होने के चलते वार्ड के अधिकतर घरों में पीने के पानी की किल्लत हो रही थी। पुराना बाजार के ऊंचाई वाले क्षेत्र में कम पानी पहुंच रहा था। जिसे देखते हुए जय भगवान शर्मा डीडी के प्रयास से नया बोरवेल लगाने का कार्य शुरू किया गया है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर वार्ड न 13 के पार्षद महन्त दीपक प्रकाश, नगरपालिका प्रधान आशीष चक्रपाणि, उप प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र ढींगरा, पार्षद जयपाल कौशिक, रविकांत कौशिक, जस्सी मान, गगन टांक, फूल सिंह पाल, हनु चक्रपाणि, दीपक पंचोली, रामधारी शर्मा, राकेश पुरोहित, पवन शर्मा, रिक्की शर्मा, आशीष बंसल, विनोद बंसल, संजय, सेंटी ठाकुर, विनोद डोलिया, उमाकांत शास्त्री व सुकेश तनेजा सहित कई लोग मौजूद थे।

26वां यज्ञोपवीत संस्कार समारोह आज

कुरुक्षेत्र। सन्निहित सरोवर स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में पशुराम जयंती अक्षय तृतीय के पावन पर्व पर श्री गुरु धाम संस्कृत वेद विद्यापीठम अनुसंधान ट्रस्ट के तत्वावधान में 26वां यज्ञोपवीत संस्कार समारोह 19 अप्रैल रविवार को आयोजित किया जाएगा। वैदिक मंत्रोच्चरण के बीच संस्कार पूर्ण होगा। इससे पहले शनिवार को विद्यापीठम के विद्यार्थियों ने सन्निहित सरोवर पर विधिवत रूप से पूजा-अर्चना की। श्री गुरु धाम संस्कृत वेद विद्यापीठम अनुसंधान ट्रस्ट के संस्थापक एवं आचार्य राजेश वत्स ने बताया कि सनातन धर्म की परंपरा में वर्णित सोलह संस्कारों का उद्देश्य व्यक्ति के जीवन को संस्कारित और समाज को सुदृढ़ बनाना है।

सफलतापूर्वक हो रही गेहूं की खरीद : दत्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाडवा

- मार्केट कमेटी चेयरमैन डा. गणेश दत्ता ने अनाज मंडी लाडवा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मार्केट कमेटी लाडवा चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश की अनाज मंडियों में सफलतापूर्वक गेहूं की खरीद हो रही है। मंडियों में गेहूं की आवक का कार्य जोरों पर चला हुआ है। सरकार द्वारा उठान होने के 48 घंटे में गेहूं की पेमेंट भी किसानों के खातों में भेजी जा रही है। चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने शनिवार को रबी सीजन 2026-27 के तहत गेहूं खरीद और उठान (लिफ्टिंग) कार्यों की समीक्षा के लिए लाडला अनाज मंडी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी में किसानों और आढ़तियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का भी विस्तृत आकलन किया। उन्होंने मंडी में गेट पास और बायोमेट्रिक प्रणाली की जांच की।

उन्होंने अधिकारियों से गेहूं की आवक, खरीद और उठान से संबंधित विस्तृत जानकारी ली और किसानों व आढ़तियों से सीधा संवाद कर उनका फीडबैक भी प्राप्त किया। इस दौरान किसानों के मांगपत्र को लेते हुए आश्वासन दिया कि उनकी मांग को मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों और आढ़तियों को आसानी से वेरिफिकेशन पूरा करने में मदद करने के लिए मंडी में कई जगहों पर बायोमेट्रिक मशीनें लगाई गई हैं।

ट्रेन में चढ़ते समय पांव फिसलने से बुजुर्ग की मौत

कुरुक्षेत्र। ट्रेन दुर्घटना में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। ट्रेन में चढ़ते समय पांव फिसलने से बुजुर्ग नीचे गिर गया। मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड से राजकीय रेलवे पुलिस ने उसकी पहचान की। बुजुर्ग तीर्थ यात्रा करके अपने घर लौट रहा था। मृतक की पहचान फतेहाबाद जिले के जाखल क्षेत्र के गांव चंदड़ कलां निवासी रुलदुराम (67) के रूप में हुई है। रुलदुराम ने कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पहुंचकर अपने बेटे से फोन पर बातचीत भी की। रुलदुराम अपने पीछे पत्नी प्रेमो देवी, बेटा हरविंद्र सिंह, कुलविंद्र सिंह और बेटी बलजीत को छोड़ गए। उनके बेटे और बेटी शादीशुदा है।

छात्रों ने किया रंगमंच पर शानदार प्रदर्शन

- साप्ताहिक सांस्कृतिक संध्या में नाटक का किया मंचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा कला परिषद्, कुरुक्षेत्र द्वारा प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होने वाली साप्ताहिक सांस्कृतिक संध्या के अंतर्गत शुक्रवार को शाम हलकारा ए थिएटर ग्रुप के नाट्य निर्देशक अमित चौहान के निर्देशन में दो नाटकों महारथी और दिल्ली में एक मौत का सफल मंचन किया गया। दिल्ली पब्लिक स्कूल, कुरुक्षेत्र अपने विद्यालय में थिएटर को विशेष रूप से प्रोत्साहित कर रहा है। इसी उद्देश्य से विद्यालय लगातार अपने विद्यार्थियों को रंगमंच के लिए तैयार कर रहा है। इसी क्रम में नाटक 'महारथी' में विद्यालय के चार छात्रों ने अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कक्षा 11वीं के कार्तिकेय ने कर्ण की मुख्य भूमिका निभाई, नव्या ने द्रौपदी का किरदार जीवंत किया, कक्षा 12वीं के युतेंद्र द्रोणाचार्य की भूमिका में नजर आए, वहीं कक्षा 12वीं के चैतन्य ने अर्जुन का पात्र निभाया। बच्चों के संवाद अदायगी और भाव-भंगिमा की दर्शकों व गणमान्य अतिथियों ने मुक्त कंठ से सराहना की।

कुरुक्षेत्र। रंगमंच पर प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

रेलवे स्टेशन के समीप बुजुर्ग का शव बरामद

कुरुक्षेत्र। शाहबाद में रेलवे स्टेशन के पास से एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव पड़ा मिला। घटना शुक्रवार रात करीब सवा 8 बजे की है। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची राजकीय रेलवे पुलिस कुरुक्षेत्र थाने की टीम ने शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान की कोशिश की। शुरूआती जांच के मुताबिक, मृतक की उम्र करीब 55 साल है। फिलहाल पहचान नहीं होने पर जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर एलएनजेपी अस्पताल की मॉर्चरी में रखवा दिया। जीआरपी की हेड कॉस्टेबल बीना ने बताया कि रात को सूचना मिली कि एग्जिट गेट पर एक व्यक्ति का शव पड़ा है। वे तुरंत टीम के साथ मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की।

चिकित्सा क्षेत्र में सेवा करना लक्ष्य, 86.02% अंक हासिल कर वंदना ने पाई मेरिट में जगह

कुरुक्षेत्र। सीबीएसई बोर्ड की दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित होते ही उत्तीर्ण विद्यार्थियों और उनके परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई। इसी कड़ी में चंडीगढ़ में मीडिया क्षेत्र से जुड़े झांसा निवासी पवन चोपड़ा की पुत्री वंदना चोपड़ा ने 86.02 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मेरिट सूची में स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि से परिवार में गर्व और उत्साह का माहौल है। वंदना चोपड़ा ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत और परिवार के सहयोग को देते हुए बताया कि उनका लक्ष्य चिकित्सक बनकर मानवता की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया जाता है और इस पेशे के माध्यम से निस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा की जा सकती है। उन्होंने विश्वास जताया कि वह आगे भी पूरी लगन और मेहनत से पढ़ाई कर अपने सपने को साकार करेंगी। वंदना ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करें और विशेष रूप से बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि वे समाज में अपना एक मजबूत स्थान बना सकें। वहीं, वंदना के पिता पवन चोपड़ा ने बेटी की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके परिवार के लिए अत्यंत खुशी का क्षण है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वंदना भविष्य में और बड़ी सफलता हासिल करेगी।

एनआईटी में विद्यार्थियों की आत्महत्या के मामलों पर सरकार कार्रवाई करे : खैहरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

एनआईटी कुरुक्षेत्र में पिछले दो महीनों में चार विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाएं अत्यंत चिंताजनक हैं। बीती रात विद्यार्थियों द्वारा किए गए धरना-प्रदर्शन के बाद युवा जजपा के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. जसविंदर खैहरा ने विद्यार्थियों के समर्थन में खुलकर आवाज उठाई। जाट धर्मशाला में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. खैहरा ने कहा कि एनआईटी में लगातार हो रही आत्महत्या की घटनाओं को प्रशासन और सरकार को अत्यंत गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि आखिर ऐसी कौन सी परिस्थितियां हैं, जिनके कारण विद्यार्थी इतना बड़ा कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं। इन कारणों की गहराई से जांच कर समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

कोई प्रतिक्रिया न देना दुर्भाग्यपूर्ण

डॉ. खैहरा ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र को सीएम सिटी कहा जाता है, लेकिन इतने गंभीर मामले के बावजूद न तो मुख्यमंत्री का कोई ठोस बयान सामने आया है और न ही स्थानीय सांसद ने इस विषय पर कोई प्रतिक्रिया दी है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि हिसार में पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला एवं युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला के साथ पुलिस द्वारा किया गया व्यवहार निंदनीय और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने वाले नेताओं के साथ इस प्रकार का व्यवहार यह दशार्ता है कि सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने का काम कर रही है। यदि सरकार ने शीघ्र ही विद्यार्थियों की मांगों को नहीं माना और इस प्रकार की घटनाओं पर रोक नहीं लगाई, तो जजपा इस मुद्दे को लेकर प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी।

विस अध्यक्ष ने एसडी गर्ल्स स्कूल को ग्रीन एंड सस्टेनेबल कैंपस अवार्ड से किया सम्मानित

कुरुक्षेत्र। पानीपत स्थित गीता यूनिवर्सिटी में आयोजित राष्ट्रीय सततता सम्मेलन एवं अवार्ड 2026 मे एस. डी.गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए ग्रीन एंड सस्टेनेबल कैंपस अवार्ड प्राप्त किया। यह सम्मान हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण के करकमलों द्वारा प्रदान किया गया, जिससे विद्यालय का गौरव और भी बढ़ गया। इस अवसर पर विद्यालय की उप प्राचार्या श्रीमती अंजलि एवं विज्ञान अध्यापिका कुमारी डेजी ने विद्यालय की ओर से सम्मान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। कार्यक्रम में के विभिन्न शिक्षण संस्थानों ने भाग लिया, जहां सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए गए कार्यों को सराहा गया। विद्यालय पहुंचने पर सम्मानित शिक्षिकाओं का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्रबंधक विकास शर्मा एवं मंजू शर्मा , प्रधानाचार्या रिम्मी बठला ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि स्कूल निरंतर पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सतत विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करता आ रहा है, जिसका यह पुरस्कार प्रत्यक्ष प्रमाण है। भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण और गुणवत्ता शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

71 वर्षीय धर्मपाल ने राष्ट्रीय योग की प्रतियोगिता में जीता गोल्ड मेडल, जिले का नाम किया रोशन

कुरुक्षेत्र। 11 एवं 12 अप्रैल को अयोध्या स्थित महर्षि महेश योगी यूनिवर्सिटी में आयोजित राष्ट्रीय योग की प्रतियोगिता में कमोदा के योग शिक्षक 71 वर्षीय धर्मपाल ने 55 प्लस आयु वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त कर जून माह मे विदेश मे आयोजित अंतराष्ट्रीय योग प्रतियोगिता के लिए भी क्वालिफाई किया है। उनकी इस उपलब्धि से जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर की पर गौरवान्वित हुआ है। कमोदा में आगमन पर धर्मपाल ग्रामीणों ने फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया। ग्रामीणों का कहना है कि 71 वर्ष की आयु में राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मैडल प्राप्त करना न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि यह हम सभी के लिए गर्व का विषय भी है। उन्होंने इसे अनुशासन, समर्पण और निरंतर साधना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। धर्मपाल ने बताया कि प्रतियोगिता में 500 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया था। योगासन प्रतियोगिता में अलग-अलग वर्ग बनाए गए थे। वे 55 + की आयु वर्ग में हिस्सा ले रहे थे जिसमें 15 लोग उनके प्रतिद्वंद्वी थे। धर्मपाल ने बताया कि इसकी रजिस्ट्रेशन एक हजार रुपये थी जिसमें शामिल होकर उन्होंने स्वर्ण पदक जीता है। दूसरा स्थान झुंझुनू के पवन कुमार ने जीता। उन्होंने बताया कि वे काफी सालों से योग कर रहे हैं। पिछले साल ही कुरुक्षेत्र में आयोजित योगासन प्रतियोगिता में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। इस प्रतियोगिता में धर्मपाल ने चार योगासन किए जिसमें फॉरवर्ड बेंडिंग, बैकवर्ड बेंडिंग, ट्विस्टिंग और चौड़ी लेग बैलेंसिंग शामिल हैं। उन्होंने लेग बैलेंसिंग में ही सबसे अलग योग किया और पदक हासिल किया।

कुरुक्षेत्र। मेडल दिखाते धर्मपाल।

टीम वर्क, नेतृत्व और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर की चर्चा

श्रीकृष्ण आयुष विवि में कुशलम् लीडरशिप कार्यक्रम

किसी भी संस्थान में प्रदर्शन का स्तर वहां के कल्चर पर करता निर्भरः डॉ. संजीव शर्मा

कुरुक्षेत्र। दीप पज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ करते मुख्यातिथि एनआईए जयपुर के कुलपति प्रोफेसर डॉ. संजीव शर्मा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

बदलते समय में नेतृत्व केवल पद नहीं, बल्कि सोच, संवाद और टीम को साथ लेकर लक्ष्य तक पहुंचने की कला बन चुका है। इसी उद्देश्य को साकार करने के लिए श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर वैद्य करतार सिंह धीमान के मार्गदर्शन में कुशलम् कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसमें बतौर मुख्यातिथि एनआईए जयपुर के कुलपति प्रोफेसर डॉ. संजीव शर्मा ने शिरकत की। मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ.संजीव शर्मा ने कहा कि किसी भी संस्थान में प्रदर्शन का स्तर वहां की कार्य-संस्कृति (कल्चर) पर निर्भर करता है। उन्होंने महाभारत का उदाहरण देते हुए टीम वर्क, नेतृत्व और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि एक प्रभावी टीम लीडर वही होता है जो अपनी टीम की क्षमता को पहचान कर उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देता है। कुलपति प्रोफेसर वैद्य करतार सिंह धीमान ने कहा कि शिक्षकों में नेतृत्व क्षमता का विकास समय की आवश्यकता है, क्योंकि शिक्षक ही विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत होते हैं। ऐसे कार्यक्रम शिक्षकों को न केवल प्रशासनिक और शैक्षणिक स्तर पर सशक्त बनाते हैं,बल्कि उनमें निर्णय लेने और टीम के साथ प्रभावी ढंग से कार्य करने की क्षमता भी विकसित करते हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. रणधीर सिंह, आयुर्वेदिक अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. राजा सिंगला, प्रो. जितेश कुमार पंडा, प्रो. सतीश कुमार वत्स, प्रो. सीमा रानी, प्रो. अमित कटारिया, कार्यक्रम संयोजक प्रो. कृष्ण कुमार, प्रो. शीतल सिंगला, प्रो. आशु, प्रो. मनोज तंवर, प्रो. सुनीति तंवर, प्रो. रविराज, प्रो. विदुषी त्यागी, प्रो. रविंद्र अरोड़ा, प्रो. शुभा कौशल, प्रो. राजेंद्र सिंह चौधरी, प्रो. नीलम, प्रो. सचिन शर्मा, डॉ. सुधीर मलिक, डॉ. नेहा लांबा, डॉ. मनीषा खत्री, डॉ. अनामिका समेत अन्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

अनाज मंडी से गेहूं के कट्टे चोरी

बराड़ा। अनाज मंडी में स्थित एक आढ़त की दुकान से गेहूं के कट्टे चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव रजौली के हरविंद्र सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी अनाज मंडी में आढ़त की दुकान नंबर 4 है। उन्होंने बताया कि उन्हें सुबह सूचना मिली कि उनकी दुकान के स्टॉक में से गेहूं के कट्टे गायब हैं। जांच करने पर पता चला कि करीब 7 कट्टे गेहूं चोरी हो गए हैं। शिकायतकर्ता ने शिकायत में कहा कि चोर सिल्वर रंग की स्विफ्ट कार में गेहूं के कट्टे चोरी कर ले गए। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

ग्राम समितियों का होगा गठन

शहजादपुर। समाधानः के मार्गदर्शक मंडल के अध्यक्ष अर्पित अनाम ने एक बयान में बताया कि समाधान संस्था शीघ्र ही गांवों में सम्पूर्ण स्वस्थ लोकतंत्र का प्रयोग करते हुए इकाइयों के गठन का कार्य शुरू करेगी। संस्था के मार्गदर्शक मंडल द्वारा लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश, जिला, खंड व ग्राम में महिला वर्ग व पुरुष वर्ग में अलग-अलग संयोजक नियुक्त किए जाएंगे।

दिव्यांगों को मिलेगी व्हीलचेयर: उपायुक्त

अंबाला। नगर निगम चुनाव को लेकर जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। मई की भीषण गर्मी को देखते हुए उपायुक्त ने मतदान केंद्रों पर ठंडे पानी, मेडिकल किट और ओआरएस की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष हेल्पलाइन बनाई जाएगी और मतदान के दौरान उन्हें व्हीलचेयर व वॉलंटियर की सुविधा प्रदान की जाएगी। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप गतिविधियों में तेजी लाने को कहा गया है।

वारंट तामील करने गए एसपीओ व एएसआई पर हमला

अंबाला। हीरा नगर में फैमिली कोर्ट का गिरफ्तारी वारंट तामील करने गए एसपीओ व एएसआई पर पूरे परिवार ने हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने पहले एसपीओ परविंद्र के साथ मारपीट करते हुए पगड़ी उतारकर नाली के पानी में फेंक दी। मदद के लिए जब ईआरवी पहुंची तो हमलावरों ने ड्यूटी ऑफिसर एएसआई दर्शन सिंह पर भी हमला कर दिया। सरकारी गाड़ी ईआरवी 106 के साथ तोड़फोड़ का प्रयास किया।

भ्रूण लिंग जांच करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो काबू

अंबाला। स्वास्थ्य विभाग और अंबाला पुलिस की संयुक्त टीम ने लिंग जांच करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करने के लिए कुरुक्षेत्र में दबिश दी। विभाग को सूचना मिली थी कि यूपी से एक डॉक्टर या झोलाछाप पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन लेकर हरियाणा के विभिन्न जिलों में अवैध रूप से भ्रूण लिंग जांच कर रहा है। अंबाला स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एक फर्जी मरीज डिकॉय तैयार कर दलालों से संपर्क किया। दलाल ने कुरुक्षेत्र में अल्ट्रासाउंड कराने का झांसा देकर टीम को बुलाया।

मेयर व वार्ड नंबर 1 से 10 तक के लिए उम्मीदवार डीआरडीए ऑफिस में दाखिल करेंगे नामांकन पत्र

कांग्रेस ने मेयर उम्मीदवार के नाम का किया ऐलान, कुलविंद्र कौर को दिया टिकट

वार्ड नंबर 11 से 20 के लिए उम्मीदवारों को एसडीएम कार्यालय में जमा करवाने होंगे नामांकन पत्र, प्रशासन की ओर से जारी किए गए आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला नगर निगम में मेयर पद के लिए कांग्रेस की ओर से उम्मीदवार का ऐलान कर दिया गया है। प्रॉपर्टी कारोबारी कृपाल सिंह सैनी की पत्नी कुलविंद्र कौर को कांग्रेस ने मेयर पद का उम्मीरवार बनाया है। निगम चुनाव की सरगर्मियां शुरू होते ही कृपाल सिंह कांग्रेस में एक्टिव हो गए थे। मेयर पद के लिए कांग्रेस के पास कुलविंद्र कौर का ही एकमात्र आवेदन था। इसी वजह से उनके नाम का ऐलान औपचारिकतौर पर होना तय था। सिख सैनी परिवार से ताल्लुक रखने वाली कुलविंद्र कौर के पिता व ससुर इंडियन आर्मी व एयरफोर्स में सेवाएं दे चुके हैं। उनके पति कृपाल सिंह सैनी प्रॉपर्टी कारोबार में जाना पहचाना नाम है।

नामांकन दाखिल करने के ऑफिस तय

हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से अंबाला नगर निगम के महापौर और सदस्यों के पदों के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा 15 अप्रैल 2026 को जारी अधिसूचना को निरस्त करते हुए हरियाणा नगर निगम चुनाव नियम 1994 के नियम 22 के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अंबाला नगर निगम के महापौर और सदस्यों के पदों के लिए आम चुनाव हेतू नामांकन प्रक्रिया के स्थान और समय सीमा को अधिसूचित किया है। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन के लिए रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा नोटिस भी जारी किया जा चुका है। चुनाव के सफलतापूर्वक आयोजन को लेकर रिटर्निंग ऑफिसर के साथ-साथ सहायक रिटर्निंग अधिकारी भी लगाए गए हैं।

निगम चुनाव के तहत उम्मीदवार 21 से 25 अप्रैल 2026 के बीच सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं। मेयर पद व वार्ड नंबर 1 से 10 वार्डों के लिए उम्मीदवार डीआरडीए अंबाला शहर में नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं। इसी प्रकार वार्ड नंबर 11 से 20 के लिए उम्मीदवार न्यायालय कक्ष एसडीएम कार्यालय अंबाला शहर में नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव के दृष्टिगत नामांकन पत्रों की जांच 27 अप्रैल 2026 को की जाएगी। उम्मीदवार 28 अप्रैल 2026 को दोपहर 3 बजे तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। इसके तुरंत बाद उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए जाएंगे।

अंबाला नगर निगम चुनाव 2026: मतदान 10 मई, मतगणना 13 मई को

इन सभी पदों के लिए मतदान 10 मई, 2026 को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित किया जाएगा। नगर निकायों के मतों की गणना 13 मई को सुबह 8 बजे से निर्धारित केंद्र पर शुरू होगी। अधिसूचना की जानकारी नगर उपायुक्त, नगर निगम अंबाला शहर, एसडीएम व तहसील कार्यालय में चस्पा कर दी गई है। बता दें कि नगर निगम चुनाव के सफलतापूर्वक आयोजन को लेकर अतिरिक्त उपायुक्त विराट को रिटर्निंग अधिकारी लगाया गया है। महापौर पद व वार्ड नंबर 1 से 5 सदस्य पद के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारी गगनदीप रहेंगे। जबकि वार्ड नंबर 6 से 10 के सदस्य पद के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारी डिप्टी सीईओ राजन सिंगला व वार्ड नंबर 11 से 15 के के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारी तहसीलदार अंबाला शहर आदित्य रंगा तथा वार्ड नंबर 16 से 20 के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारी बीडीपीओ द्वितीय अश्वनी कुमार रहेंगे।

नर्सरी विंग के छात्रों ने मनाया ग्रीन डे

हरे रंग की ड्रेस में बच्चों ने जमकर की मस्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर के पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल के नर्सरी विंग में ग्रीन डे मनाया गया। इस अवसर पर बच्चे ग्रीन कलर की ड्रेस पहन कर आए, जिसमें वे बहुत सुंदर लग रहे थे। बच्चों को बताया गया कि पेड़ पौधे और प्रकृति हमारे लिए कितने महत्वपूर्ण है और इसका हमारे जीवन में कितना महत्वपूर्ण योगदान है। पेड़ पौधे हमें ऑक्सीजन, फल,सब्जियां, लकड़ियां और दवाइयां आदि देते है जो हमारे जीवन के लिए बहुत उपयोगी होती हैं। इस अवसर पर बच्चों को हरी सब्जियोंव फलों के विषय में बताया गया और यह बताया गया कि इनको खाकर हमारा शरीर स्वस्थ और फुर्ती दायक बना रहता है। इसलिए हमें हमेशा हरी सब्जियां और फलों का सेवन करना चाहिए और हरे रंग के ऑब्जेक्ट दिखाकर बच्चों को हरे रंग के बारे में बताया गया। बच्चों को बताया गया कि हरे रंग का हमारे जीवन में क्या महत्व है। नर्सरी के नन्हे-नन्हे बच्चे हरे रंग के अलग-अलग ऑब्जेक्टस बना कर लेकर आए थे और उन्होंने अपने-अपने अंदाज में सब्जियों, फलों और हरे रंग का महत्व बताया। सभी बच्चे ग्रीन ड्रैस में बहुत सुंदर लग रहे थे। इस अवसर पर नन्हे-नन्हे बच्चों ने पेड़ बचाओ कविता सुनाई। इसके माध्यम से उन्होंने संदेश दिया कि हमें पेड़ लगाने चाहिए जो हमारे जीवन को बचा कर रख सकते हैं। छोटे-छोटे बच्चों ने धरती पर हो रहे प्रदूषण के समाधान को कविता के माध्यम से बताया। बच्चों ने आओ पर्यावरण गाने पर डांस प्रस्तुत किया जिसे सभी ने सराहा। स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. विकास कोहली ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की सरहाना की और बच्चों को बताया कि हमें पेड़ पौधों की रक्षा करनी चाहिए जो हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

एक किलो अफीम व हेरोइन सहित 5 पकड़े

- सीआईए वन ने बरेली के आदतन अपराधी को अफीम के साथ दबोचा, हेरोइन के साथ 4 अन्य तस्कर भी पकड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

पुलिस ने नशा तस्करों के विरुद्ध अपनी ःस्ट्राइकरः जारी रखते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पिछले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग कार्रवाई में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में अफीम और हेरोइन बरामद की है।

सीआईए वन ने सूचना के आधार पर अंबाला शहर के हरी पैलेस के पास नाकाबंदी कर बरेली यूपी के रामकरण को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपी से 1 किलो अफीम बरामद हुई। जांच में सामने आया कि आरोपी रामकरण वर्ष 2024 में भी अंबाला में अफीम तस्करी के मामले में जेल जा चुका है। जमानत पर बाहर आते ही फिर से इस अवैध धंधे में संलिप्त हो गया।

अंबाला। नशा तस्करी में पकड़ा गया आरोपी।

पुलिस ने आरोपी का रिमांड हासिल किया है ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य चेहरों को बेनकाब किया जा सके। इसी तरह पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए ग्रेस पैलेस के पास से अकबरपुर के गगन को काबू किया। आरोपी के कब्जे से 10 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। आरोपी को रिमांड के बाद आज न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। थाना बलदेव नगर पुलिस ने हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास से सुमित कुमार को 8.35 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान सुमित ने अपने साथियों अर्जुन उर्फ कटोरा और सौरभ के नाम उगले। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया।

डिप्टी इंजीनियर राहुल मिश्रा की मौत के मामले में हत्या का केस दर्ज किया

अंबाला। महेश नगर स्थित लेखी कांप्लेक्स में करीब दो महीने पहले हुई भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के डिप्टी इंजीनियर राहुल मिश्रा की मौत के मामले में अब पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। इसको लेकर एक दिन पहले ही मृतक के पिता (एयरफोर्स ऑफिसर) ने मंत्री अनिल विज से मिल कर न्याय की गुहार लगाई थी। पिता ने मकान मालिक और उसके बेटे पर हत्या का शक जाहिर करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। मंत्री की फटकार के बाद पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पहले राहुल मिश्रा की मौत को हादसा मान कर कार्रवाई की गई थी। यूपी के लखनऊ वासी विनोद कुमार मिश्रा जो भारतीय वायु सेना में जेडब्ल्यूओ के पद पर तैनात हैं, ने महेश नगर थाना पुलिस को दी नई शिकायत में बताया कि उनका 25 वर्षीय बेटा राहुल मिश्रा आकाश मिसाइल यूनिट में डिप्टी इंजीनियर था।

न्यायालय के आदेश पर 28,800 बोतल शराब पर चलाया रोड रोलर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

साहा लिस ने वर्ष 2017 में आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में जब्त की गई 28,800 बोतल शराब को न्यायालय के आदेशानुसार नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई उच्चस्तरीय कमेटी की निगरानी में पूरी पारदर्शिता और सुरक्षा मानकों के साथ संपन्न हुई।

जानकारी के अनुसार लंबे समय से थाना साहा के मालखाने में रखी इस शराब के निष्पादन (डिस्पोजल) के लिए विशेष कमेटी का गठन किया गया था। पूरी प्रक्रिया के दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट, डीएसपी बराड़ा, आबकारी निरीक्षक सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। थाना साहा के प्रबंधक उप-निरीक्षक कर्मवीर सिंह ने बताया कि वर्ष 2017 में आबकारी अधिनियम के तहत इस अवैध शराब की बड़ी खेप जब्त की गई थी। न्यायालय से आदेश प्राप्त होने के बाद कमेटी की मौजूदगी में इसे पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। शराब की बोतलों पर रोड रोलर चलाकर उन्हें नष्ट किया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा विभिन्न मामलों में जब्त की गई अवैध शराब का समय-समय पर न्यायालय की अनुमति लेकर निर्धारित प्रक्रिया के तहत निष्पादन किया जाता है। इस पूरी कार्रवाई को पारदर्शी तरीके से अंजाम दिया गया।

बराड़ा। शराब को रोलर की मदद से नष्ट करते हुए।

लाल रंग की खूबसूरत पौशाकें पहनकर आए नन्हे छात्रों ने मचाया धमाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

डीएवी सेंट पब्लिक स्कूल में रेड डे बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्री-प्राइमरी कक्षाओं के नन्हे-मुन्ने बच्चे लाल रंग के आकर्षक परिधानों में बेहद मनमोहक लग रहे थे और पूरे विद्यालय परिसर में उल्लास का माहौल बना हुआ था। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकगण भी लाल परिधान में उपस्थित रहे, जिससे आयोजन का आकर्षण और अधिक बढ़ गया। विद्यालय के गलियारों को लाल गुब्बारों से सुंदर रूप से सजाया गया, जिससे वातावरण रंगीन और जीवंत दिखाई दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा एक रैली भी निकाली गई, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों को ताज़गी भरा रूह अफ़ज़ा पेय भी वितरित किया गया, जिसका उन्होंने आनंद लिया।

हथियार के बल पर लूट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दो आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए-नारायणगढ़ ने थाना साहा में दर्ज हथियार के बल पर लूट की वारदात को सुलझाते हुए गिरोह के दो अन्य मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान गोपाल थापा उर्फ नेपाली और विनोद उर्फ राजस्थानी के रूप में हुई है। शिकायतकर्ता जसबीर सिंह ने 13 अप्रैल 2026 को पुलिस को सूचना दी थी कि रात जब वह गांव पसियाला के पास से गुजर रहा था, तब मोटरसाइकिल सवार अज्ञात बदमाशों ने उसका पीछा

किया। आरोपियों ने उसकी गर्दन पर तेजधार हथियार रखकर जान से मारने की धमकी दी और उससे लगभग 50,800 रुपये की नकदी व मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सीआईए-नारायणगढ़ की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचनाओं के आधार पर तफ्तीश शुरू की। पहली गिरफ्तारी 15 अप्रैल 2026 को पुलिस ने मुख्य आरोपी विकास उर्फ दुबे को शाहबाद से गिरफ्तार किया था। रिमांड के दौरान विकास ने अपने अन्य साथियों गोपाल और विनोद के नाम का खुलासा किया।

छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए रोचक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियां करवाई

बराड़ा। संत मोहन सिंह पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से विभिन्न रोचक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्री-नर्सरी से लेकर आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्री-नर्सरी से केजी तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए इंडोर फन एक्टिविटीज आयोजित की गईं। इस दौरान बच्चों ने क्लासरूम के अंदर बॉल थ्रो इन द बास्केट तथा राउंड-राउंड एक्टिविटीज में भाग लेकर खूब आनंद उठाया। वहीं, कक्षा पहली से पाँचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए स्पेल बी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने विभिन्न चित्रों को देखकर उनके अर्थ बताए और अपनी भाषा व समझ कौशल का प्रदर्शन किया। कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए अर्थ डे के उपलक्ष्य में विशेष गतिविधियां करवाई गईं।

अनाज मंडी में मिला शव, नहीं हुई पहचान

बराड़ा। शनिवार को अनाज मंडी में उस समय हड़कंप मच गया, जब मंडी में काम करने वाले लोगों ने प्रांगण में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ देखा। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मंडी में मौजूद लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन प्रारंभ में मृतक की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने मौके पर मिले बैग की तलाशी ली, जिसमें केवल कुछ कपड़े ही मिले। बाद में मृतक की पहचान बीड़ मंगोली के प्रवीण कुमार (उम्र करीब 40 वर्ष) के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि प्रवीण कुमार रोजाना यहां के लेबर चौक पर मजदूरी के लिए आता था। जो भी काम मिलता, वह कर लेता था। आशंका जताई जा रही है कि वह बीते दिवस अनाज मंडी में मजदूरी करने गया होगा लेकिन यहां पर उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

रिहायशी बस्ती में चल रहा कारखाना सील

अंबाला। रिहायशी क्षेत्र में अवैध निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ मोहल्ला वासियों की लंबी लड़ाई आखिरकार रंग लाई है। आनंद नगर बोह क्षेत्र के निवासियों को अब राहत मिली है। प्रशासन ने कारखाने को सील कर दिया। अंबाला छावनी की उपमंडल अधिकारी कनिका गोयल ने नगर परिषद की रिपोर्ट पर संज्ञान लिया। इसके बाद क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की थी। बोह रोड स्थित आनंद नगर (बी) के निवासी करीब वर्ष 2025 से अनधिकृत कारखाने के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे थे। इस दौरान उन्होंने मंत्री तक गुहार लगाई लेकिन प्रशासन के ढीले रवैये के चलते कारखाना बंद नहीं हो पाया।

मंत्री अनिल विज का दुकानदारों ने जताया आभार

दर्जनों दुकानदारों को मिला दुकानों का मालिकाना हक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

स्वामित्व योजना के तहत तह-बाजारी के दर्जनों दुकानदारों को उनकी दुकानों का मालिकाना हक मिला और उनकी दुकानों की रजिसट्रियां हुई जिसपर दुकानदारों ने मंत्री अनिल विज का धन्यवाद जताया।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज के आवास पर राय मार्केट एवं अन्य बाजारों से दर्जनों तह-बाजारी के दुकानदार पहुंचे। दुकानदार विनोद कुमार, अरुण साहू, सोनू दुआ, सुखविंद्र दुआ, वेदप्रकाश, सन्नी, मोंटी साहू, अभिषेक, सुभाष शर्मा, बिट्टू सचदेवा सहित अन्य दुकानदारों ने कहा कि ऊर्जा मंत्री अनिल विज के प्रयासों से अम्बाला छावनी को इस योजना का लाभ मिल सका था और आज उन्हीं की बदौलत तह-बाजारी के दुकानदार अपनी दुकानों के मालिक बन सके हैं और उनकी दुकानों की रजिसट्रियां हो सकी है। इससे पहले वह नगर परिषद के किराएदार थे मगर अब वह दुकानों के मालिक है और दुकानों का नए सिरे से निर्माण करवा सकते हैं।

दुकानदारों ने कहा वह दशकों से पुरानी दुकानों में ही अपना कारोबार चला रहे थे और अब मंत्री अनिल विज की वजह से वह दुकानों को नए सिरे से बना सकेंगे साथ ही वह दुकानों के मालिक बन सके है।

अंबाला। मंत्री अनिल विज से मुलाकात करते दुकानदार।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 19 अप्रैल 2026

विशेषः पृथ्वी दिवस
22 अप्रैल

केवल धरती पर ही जीवन संभव है, यह जानने के बावजूद जाने-अनजाने हम धरती को तरह-तरह से नुकसान पहुंचा रहे हैं। दुनिया भर के वैज्ञानिक मानते हैं कि सौरमंडल के सबसे खूबसूरत ग्रह धरती को बचाना किसी एक सरकार या संगठन का काम नहीं, बल्कि हम सबकी जिम्मेदारी है। हमें जागरूक होना होगा, बदलाव के छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए हम अपनी प्यारी धरती को सुरक्षित रख पाएंगे।

हम सब मिलकर बचाएं अपनी प्यारी धरती

आवरण कथा / रजनी अरोड़ा

धरती जीवन का आधार है, जो एक निःस्वार्थ मां की तरह मानव के लिए अनुकूल, सुंदर प्राकृतिक वातावरण ही प्रदान नहीं करती। उसकी मूलभूत जरूरतें (भोजन, पानी, हवा, वस्त्र, घर) भी मुहैया कराती है। विडंबना है कि मनुष्य अपने विकास और सुख-सुविधाएं पाने की अंधाधुंध दौड़ में जाने-अनजाने इसी धरती को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा रहा है। दिनों-दिन बढ़ते मानव अतिक्रमण की वजह से जहां प्राकृतिक संसाधनों की निरंतर कमी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं कई घरेलू-व्यावसायिक कार्य-कलाप वायुमंडल में कार्बन उत्सर्जन यानी कार्बन डाई-ऑक्साइड और अन्य ग्रीन हाउस गैसों का लेवल निरंतर बढ़ाने में जिम्मेदार हैं। नासा और इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की रिसर्च के अनुसार पिछले 150 वर्षों में धरती का औसत तापमान लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसका असर केवल प्रकृति पर ही नहीं, बल्कि खेती, पानी, मानव स्वास्थ्य और जीव-जंतुओं के जीवन पर भी पड़ रहा है। इन संकटों से अपनी धरती को बचाने के लिए हम सभी को अपने स्तर पर हर संभव प्रयास करने होंगे।

पर्यावरण की करें सुरक्षा

धरती को बचाने के लिए सबसे जरूरी है पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होना, अच्छी आदतें अपनाना, बच्चों और दूसरों को भी प्रेरित करना। परिवार में ग्रीन रूल बनाएं और उन्हें अमल करने के लिए सजग रहें। पर्यावरण नीतियों को लेकर सचेत रहें। अपने इलाके में हरित नीतियां (पेड़ लगाने, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक परिवहन सुधार) लागू करवाने की मांग करें। पर्यावरण संगठनों से जुड़ें।

घर को बनाएं ग्रीन होम

घर में ऊर्जा की खपत, कार्बन उत्सर्जन का सबसे बड़ा कारण है। ऊर्जा संरक्षण के लिए जब जरूरत न हो तो कमरे की लाइट, पंखे बंद कर दें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब यूज न कर रहे हों तो स्विच ऑफ कर दें। स्टैंडबाय में भी बिजली खर्च होती है। दिन में प्राकृतिक रोशनी का अधिक उपयोग करें। साधारण बल्ब की तुलना में एलईडी बल्ब 75 प्रतिशत कम बिजली खर्च करता है और 10 गुना अधिक चलता है। यह छोटा बदलाव बिजली का बिल कम करता है और कार्बन उत्सर्जन भी। पुराने एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन बहुत अधिक बिजली खर्च करते हैं। 5 स्टार रेटिंग वाले उपकरण खरीदें। इनसे 30-40 प्रतिशत बिजली बचती है। घर की छत पर सोलर पैनल लगवाना या किसी अक्षय ऊर्जा प्रदाता की मदद से बिजली लेना काफी कारगर है। यह वन-टाइम इंवेस्टमेंट है, जो आने वाले तकरीबन 25 साल तक मुफ्त बिजली देता है। सरकार इसमें सब्सिडी भी देती है। एसी को 24-25 डिग्री पर ही चलाएं। हर एक डिग्री कम करने पर 6 प्रतिशत अधिक बिजली खर्च होती है।

घर की एयर सीलिंग यानी दरवाजों और खिड़कियों की दरारें बंद करना, ऊर्जा बचत का सबसे किफायती तरीका है। इससे गर्मियों में ठंडक और सर्दियों में गर्माहट बनी रहती है और हीटिंग-कूलिंग का खर्च 15-30 प्रतिशत तक कम हो जाता है। घर में गैस या कोयले की जगह इलेक्ट्रिक हीट पंप लगाने से कार्बन फुटप्रिंट में 100 किलो कार्बन डाई-ऑक्साइड प्रति वर्ष की कमी आ सकती है। वॉशिंग मशीन हमेशा फुल लोड पर चलाएं। पानी का टेंपरेचर नॉर्मल रखें। पानी गर्म करने में एनर्जी की खपत 75-90 प्रतिशत बढ़ जाती है यानी बिजली का बिल बढ़ जाता है। इसी तरह कपड़े क्लॉथ-ड्रायर में सुखाने के बजाय बाहर धूप या खुली हवा में सुखाएं, क्योंकि वॉशिंग मशीन का क्लॉथ-ड्रायर घर में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों (जैसे- फ्रिज, टीवी, डिशवॉशर, एसी, लैपटॉप से कहीं ज्यादा बिजली खर्च करता है।

भोजन ना करें वेस्ट

दुनिया के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में लगभग 26 प्रतिशत भाग खाद्य उत्पादन का रहता है। इसलिए खाने को वेस्ट ना करें। दुनिया में उत्पादित खाने का एक-तिहाई हिस्सा बर्बाद होता है। यानी खाद्य पदार्थ उगाने में लगा पानी, बिजली और मेहनत, सब बेकार। ऐसे में जरूरत के अनुसार ही खाना बनाना चाहिए। अगर खाना बचता भी है तो उसे फेंकने के बजाय अगले मील में खा लें या जरूरतमंद को दे दें।

सिंगल-यूज प्लास्टिक है हार्मफुल

आज प्लास्टिक-प्रदूषण की समस्या बहुत गंभीर हो चुकी है। इससे बचने के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक की चीजों (पॉलिथीन, प्लास्टिक कप, स्ट्रॉ, बर्तन) का प्रयोग कम से कम करें। कपड़े का थैला, स्टील की बोतल और हर्बल टूथब्रश अपनाएं। पानी के लिए रियूज होने वाली बोतल का इस्तेमाल करें।

कार्यस्थल में रखें ध्यान

अपने कार्यस्थल पर भी छोटे-छोटे प्रयासों से धरती को संरक्षित करने में अपना सहयोग आप दे सकते हैं। एंवॉयर्नमेंट फ्रेंडली सामग्री, एलईडी लाइट, ऊर्जा बचाने वाले उपकरण और कचरे का उचित प्रबंधन वाले उपकरणों का यूज करें। कागज की जगह डिजिटल दस्तावेज उपयोग करें। प्रिंट करना जरूरी हो तो पेपर के दोनों तरफ प्रिंट करें। व्यावसायिक मुद्दों पर परिचर्चा करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को बढ़ावा दें ताकि समय और ऊर्जा की बचत हो। ऑफिस जाने के लिए अकेले कार ड्राइव करके जाने के बजाय कारपूल की आदत डालें। यानी एक गाड़ी में 4 लोग जाएं तो कार्बन उत्सर्जन 75 प्रतिशत कम होता है। मेट्रो, बस, ट्रेन जैसे सार्वजनिक परिवहन में सफर करें। अगर नई गाड़ी खरीदनी हो तो इलेक्ट्रिक वाहन खरीदें। इसमें सब्सिडी भी मिलती है। इससे पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता तो कम होगी ही, प्रदूषण भी कम होगा। कम दूरी के लिए साइकिल या पैदल चलने की आदत डालें। पर्यावरण के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी बेहतरीन है।

अधिक से अधिक पेड़ लगाएं

पेड़-पौधे धरती को खूबसूरत हरा-भरा ही नहीं बनाते, भूमि में कटाव कम कर मजबूती लाने, भूमि की उर्वरता बढ़ाने, पर्यावरण को प्रदूषण रहित रखने में भी मदद करते हैं। हमें जीवनदायी ऑक्सीजन देते हैं और अपने जीवनकाल में तकरीबन 1 टन कार्बन डाई-ऑक्साइड सोखते हैं। आप अपने जन्मदिन, शादी की सालगिरह या किसी भी खास मौके पर पेड़-पौधे लगाने की परंपरा शुरू कर सकते हैं। कॉरपोरेट ट्री प्लांटेशन ड्राइव में शामिल होकर विभिन्न प्रजाति के पेड़-पौधे लगाकर ऑफिस कंपाउंड में हरियाली बढ़ाएं। हमारे ऐसे प्रयासों से भी धरती पर हरियाली बढ़ेगी। *

जल संरक्षण भी है जरूरी

जलवायु परिवर्तन से पानी का संकट भी धरती पर बढ़ता जा रहा है। दुनिया के कई देशों समेत भारत के कुछ राज्यों में भी भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है। जल संरक्षण के लिए भी हम कुछ प्रयास कर सकते हैं। जैसे-ब्रश करते समय नल बंद रखना, कम समय में नहाना और टपकते नलों को ठीक करवाना। ऐसी छोटी-छोटी आदतें मिलकर हजारों लीटर पानी बचा सकते हैं। घर की छत पर वर्षा जल संग्रह प्रणाली लगाएं। यह पानी बगीचे, गाड़ी धोने और फ्लश के लिए उपयोग हो सकता है। बाजार में ऐसे नल उपलब्ध हैं, जो 50 प्रतिशत तक कम पानी उपयोग करते हैं लेकिन दबाव उतना ही रहता है। इससे पानी की बचत होती है। दुनिया के समुद्रों, नदियों में बेशुमार प्लास्टिक जमा हो चुका है। धरती पर मौजूद जल को संरक्षित करने के लिए हमें सजग होना होगा।

केवल एक दिन ही नहीं रोज मनाएं पृथ्वी दिवस

विगत कई दशकों से हम जाने या अंजाने अपनी धरती को नुकसान पहुंचाते आ रहे हैं। आज धरती के अस्तित्व पर ही संकट मंडराने लगा है। ऐसे में अब यह हमारी ही जिम्मेदारी है कि पृथ्वी संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करें। हर वर्ष मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, हम सबको यही संदेश देता है।

अवेयरनेस
लोकमित्र गौतम

धरती हम सभी के जीवन का आधार है। लेकिन विडंबना देखिए कि हम सब धरतीवासी इसे ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऐसे में हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, केवल एक तारीख भर नहीं है बल्कि समूचे मानव समुदाय को एक चेतावनी और सामूहिक संकल्प का प्रतीक भी है।

इस दिन की महत्ताः पृथ्वी दिवस हमें याद दिलाता है कि विकास की अंधी दौड़ में हम अपनी जड़ों को ही नष्ट करते जा रहे हैं। बढ़ता प्रदूषण, घटते जंगल और दिनोंदिन डराता जलवायु परिवर्तन, ये सब संकेत हैं कि हमें अपनी सोच और पृथ्वी मां के साथ किए जाने वाले अपने व्यवहार को बदलने की जरूरत है। पृथ्वी दिवस हमें इस बात की भी प्रेरणा देता है कि हमारे छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ी-बड़ी जिम्मेदारियां आसानी से निभ सकती हैं ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित पृथ्वी, एक स्वच्छ वातावरण और संतुलित पर्यावरण मिल सके।

पृथ्वी दिवस की शुरुआतः पृथ्वी दिवस की शुरुआत पिछली सदी में 1970 में हुई थी। इसके पीछे उस समय की वैश्विक स्थितियां जिम्मेदार हैं। सन् 1960 के दशक में अमेरिका सहित दुनिया के कई हिस्सों में औद्योगीकरण तेजी से बढ़ रहा था, लेकिन पर्यावरण संरक्षण पर कोई खास ध्यान नहीं दिया जा रहा था। नदियां प्रदूषित हो रही थीं, हवा दिन पर दिन जहरीली हो रही थी और जैव-विविधता लगातार खतरे में थी। इसी सबको देखते हुए अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 22 अप्रैल 1970 को पृथ्वी दिवस का आयोजन किया। इस दिन करीब 2 करोड़ लोग सड़कों पर उतरे और पर्यावरण संरक्षण की मांग की। यह एक ऐतिहासिक जन-आंदोलन बन गया। इसके बाद धीरे-धीरे यह विभिन्न वैश्विक अभियानों में बदल गया और आज दुनिया भर के 190 से ज्यादा देश पृथ्वी दिवस मनाते हैं।

अधिक प्रासंगिक है आजः पृथ्वी दिवस की प्रासंगिकता, इसके शुरू किए जाने के समय से कहीं ज्यादा आज है। हम जिन समस्याओं विशेषकर पर्यावरणीय समस्याओं का आज सामना कर रहे हैं, इससे पहले ये कभी इस कदर भयानक नहीं थीं। बढ़ते तापमान, पिघलते ग्लेशियर आज जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण हैं। दिल्ली जैसे शहरों की हवा प्रदूषण के कारण इस कदर जहरीली है कि दुनिया के कई स्वास्थ्य संगठन कह चुके हैं कि दिल्ली में पूरी जिंदगी गुजारने का मतलब है, अपनी जिंदगी के 10 साल कम कर लेना। लगभग यही हाल जल संकट के मामले में भी है। किसी एक देश में नहीं बल्कि पूरी दुनिया आज जल संकट से गुजर रही है। अगर बात वनों के विनाश या जैव-विविधता के नुकसान की करें तो जितना कहें, वह कम होगा। तमाम चेतावनियों और वैज्ञानिक अध्ययनों से निकले निष्कर्षों के बावजूद हर साल दुनिया से लाखों हेक्टेयर जंगल खत्म हो रहे हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है।

वैश्विक है संकटः पृथ्वी में हर तरीके के सकारात्मक वातावरण के क्षरण का यह संकट किसी एक देश का संकट नहीं है, दुनिया के हर हिस्से में यही हो रहा है। अपवाद के तौर पर अगर कुछ देश इस विनाश के हिस्सेदार नहीं हैं, तो दूसरों के कारण उन्हें इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है। जहां तक अपने देश भारत का सवाल है, तो हमारे यहां तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण पर्यावरण पर बहुत गहरा दबाव है। खेती में रासायनिक उर्वरकों की अधिकता और लगातार मिट्टी के अनुर्वरक होते जाने के कारण फसलों का खाद पर ज्यादा से ज्यादा निर्भर होते जाना, जहां चाहकर भी मृदा प्रदूषण से हम बच नहीं सकते, वहीं नदियों का प्रदूषण भी दिनोंदिन गहराता जा रहा है। हालांकि हाल के दिनों में हमारे देश में कई सकारात्मक पहलें भी देखने को मिली हैं। मसलन सौर ऊर्जा मिशन के बढ़ते कदम, प्लास्टिक प्रतिबंध के आधे-अधूरे ही सही पर लगातार बार-बार चलाए जाने वाले अभियान, किचन गार्डेनिंग और ऑर्गेनिक खेती के हो रहे प्रयास, ये दिखाते हैं कि अगर इच्छाशक्ति हो तो धरती को बर्बाद होने से हम सब सामूहिक प्रयासों से बचा सकते हैं।

छोटे कदम भी हैं महत्वपूर्णः पृथ्वी दिवस की सार्थकता तभी होगी, जब हर आदमी आगे बढ़कर इसके संरक्षण में अपना योगदान देगा। अगर हम लोग संकल्प ले लें कि रोजमर्रा की जिंदगी में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे, पानी, बिजली की अंधाधुंध बर्बादी नहीं करेंगे, पेड़ लगाएंगे और लगे हुए पेड़ों की देखभाल करेंगे, तो इतना भर करने से ही पृथ्वी के सामने जो समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं, इनमें से आधी खत्म हो जाएंगी और अगर सरकार, विभिन्न संस्थाएं और समाज इसके विरुद्ध उठ खड़ा हो तब तो तमाम परेशानियों से मुक्त हो सकते हैं। *

कविता
घमंडीलाल अग्रवाल

मेरा गांव

मिट्टी में मुक्तक मिलते हैं
गलियों-गलियों गीत,
गाय-भैंस के रंभाने में
कविता और अगीत।
छप्पर ऊपर की खपरैलें
अर्पण करती लेख,
टेढ़ी पगडंडियां खींचती
उपन्यास की रेख।
जन-जन की बोली उपजाती
मधुर हास्य की गंध,
पहनावों में पहेलियों के
कई संकलन बंद।
नूतन प्रेमकथा देने की
पनघट ने ली ठान,
शेर, गजल, गीतिका लुटाती
अधरों की मुस्कान।
यहां रहट की ध्वनियां देतीं
एकांकी के भाव,
लेखक, कथाकार, कवि, शायर
लोगो, मेरा गांव।

व्यंग्य / पूरन सरमा

बस हो या रेल सब में दुर्जन यात्रा कर रहे हैं, वे आएंगे और आपकी सज्जनता का लाभ उठाकर आपकी सीट हथिया लेंगे। आप खड़े-खड़े परेशान होते रहेंगे और दूसरा सहयात्री पूरी सीट पर पांव फैलाकर बैठा रहेगा।

त्याग दीजिए नैतिकता

हालांकि आप अब तक नैतिकता का त्याग कर ही चुके होंगे, लेकिन यदि नहीं किया है तो नेक सलाह मानकर इसे अविलंब त्यागिए। इसमें बंधे रहना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। त्याग और बलिदान का युग नहीं है यह। यह युग घोर स्वार्थ-परकता, अन्याय, छल, कपट तथा प्रपंच का है। आपने थोड़ी-सी भी शालीनता बरती कि गए काम से। नैतिकता से आदमी में निष्ठा, लगन व मेहनत के भाव जन्म लेते हैं और ये भाव अब गिर चुके हैं। इन भावों को अपनाने से आदमी का पतन होता है तथा लोककल्याण की चक्की में पिसकर नष्ट हो जाता है। श्रद्धा, आदर्श, परोपकार एवं ईमानदारी जैसे शब्द अब महत्त्व खो चुके हैं। इनके अर्थ समझने की कोशिश मत करिए। वैसे तो शब्दकोषों के जो नए संस्करण आएंगे, उनमें आपको ये शब्द ही नहीं मिलेंगे। इसलिए नैतिकता को त्यागिए और स्वार्थ की अंधी दौड़ में शरीक हो जाइए, तब तो आपकी नैया इस भवसागर से पार हो जाएगी, अन्यथा इसी में डुबकी लगाते रहेंगे।

दफ्तर में जिस व्यक्ति के पास जरा-सी भी नैतिकता है, बस वही तकलीफ पा रहा है। वर्ना दूसरे तमाम लोग बाहर गुमटियों पर चाय-समोसे उड़ा रहे हैं, पान की पीकें उगल रहे हैं। आपने ही कौन-सा च्यवनप्राश खाया है, जो सारा कौशल दिखाकर पूरे दफ्तर के कार्य को निपटाना चाहते हैं। काम मत कीजिए, बस बात कीजिए। वेतन काम करने का नहीं, ऑफिस में हाजिरी लगाने का मिलता है, वह आप कर ही देते होंगे। काम करने के लिए घूस, रिश्वत तथा भेंट आदि का चलन है। भ्रष्टाचार किसलिए फैलाया गया है? बस इनका लाभ उठाइए। यह लाभ उठाने के लिए होता है, त्यागने के लिए नहीं। वेतन तो उन लोगों को भी यथासमय मिल रहा है, जो काम नहीं करते, फिर आपको कौन-सा हार्ड ड्यूटी एलाउंस मिल रहा है। यह आपकी नैतिकता ही तो है, जो आपको चैन नहीं लेने देती। नैतिकता बड़ी खराब है, जिसमें एक बार घुस जाए, निकलने का नाम ही नहीं लेती है। मेरी तमाम सज्जनों से अपील है कि वे आपनी सज्जनता को त्यागें। युग बड़ा खराब है, सब घात लगाए बैठे हैं। आपको गच्चा देने की फिराक में है दुनिया। दुर्जनता को अपनाइए, आपकी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। समस्याओं के पहाड़ तैयार करने हैं तो सज्जन बने रहिए। यकीन न हो तो अभी आप सज्जनता के पक्ष में जनमत संग्रह करवाकर देखिए, आप अकेले रह जाएंगे। अगर यह सोचते होंगे कि यूनियन बना लेंगे, तो यह भी दिवास्वप्न है। वैसे यूनियनबाजी सज्जन आदमी कर भी नहीं सकता। इसके लिए भी आपको घाट-घाट का पानी पीने के बाद सज्जनता का पाजामा हर हालत में उतार कर फेंकना होगा। जो आदमी युग की नब्ज नहीं पहचानता, वह पछताता है। यदि आप पछताने का चाव रखते हैं तो जरूर, नैतिकता को अपनाए रहें।

सज्जनता आपके भीतर होगी तो आप पब्लिक ट्रांसपोर्ट में कोई भी यात्रा आराम से नहीं कर सकेंगे। यात्रा के दौरान आपके पास जब भी कोई महिला आएगी तो खड़े होकर आप उसे बैठने को स्थान दे देंगे। अब आप खड़े रहिए, घंटे-दो घंटे। बस हो या रेल सब में दुर्जन यात्रा कर रहे हैं, वे आएंगे और किसी न किसी तरह आपकी सज्जनता का लाभ उठाकर आपकी सीट हथिया लेंगे। आप में शालीनता, विनम्रता और सदाशयता कूट-कूट कर जो भरी है, उसी का परिणाम है कि आप खड़े-खड़े परेशान होते रहेंगे और दूसरा सहयात्री पूरी सीट पर पांव फैलाकर बैठा रहेगा। आपकी हिम्मत नहीं होगी कि आप उससे यह कह दें कि वे अपने पांव समेट लें। काश, इस समय आपके पास दुर्जनता होती, लफंगई होती तो आपको सीट मिल जाती। शिष्टाचार इस युग की घोर बुराई है। आप बुराई अपनाते हैं तो यह मूर्खता नहीं तो और क्या है?

मेरी तो यही सलाह है कि आप में जो भी उच्च संस्कार बतौर इंसानियत के पैदा हो गए हैं, उन्हें अपने वैयक्तिक जीवन के हित संरक्षण के लिए अविलंब त्याग दीजिए। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

चंडीदत्त रचना-समग्र

अपने छोटे से जीवन में ही चंडीदत्त शुक्ल ने पत्रकारिता के साथ साहित्य लेखन में भी अलग पहचान बना ली थी। उनकी उपलब्ध अठहत्तर कविताओं, कहानियों और साक्षात्कार का संकलन 'चंडीदत्त रचना समग्र' पुस्तक के रूप में हाल में प्रकाशित हुआ है। इन रचनाओं से गुजरते हुए उनकी साहित्य की गहरी समझ और नई दृष्टि से रचने की प्रतिभा प्रमाणित होती है। 'जब मन का हर डर मर जाए', 'हंसती खेलती औरत', 'सो जाओ कि रात बहुत गहरी है' जैसी अनेक कविताएं और 'फिर आना अखिलेश और हंसना जोर-जोर से..', 'एक आंसू गुनगुनाता रहा रात भर' जैसी कहानियां उनके क्रिएटिव रेंज की तस्दीक करती हैं। पुस्तक में संकलित साक्षात्कार में उन्होंने अपने आरंभिक जीवन और साहित्यिक सरोकार पर बेबाक विचार भी व्यक्त किए हैं। साहित्य से आम लोगों की बढ़ती दूरी के बारे में चंडीदत्त के यह विचार ध्यान देने योग्य हैं, 'इन दिनों बहुतेरा साहित्य अमूर्त भाषा और भाव के साथ लिखा जा रहा है, जिससे जुड़ पाना सामान्य पाठक के बस का नहीं है।' *

पुस्तकः चंडीदत्त रचना-समग्र, **संपादकः** डॉ. शैलेंद्र नाथ मिश्र-राजेश ओझा, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** श्वेतवर्णा प्रकाशन, नई दिल्ली, नोएडा

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

मजदूर

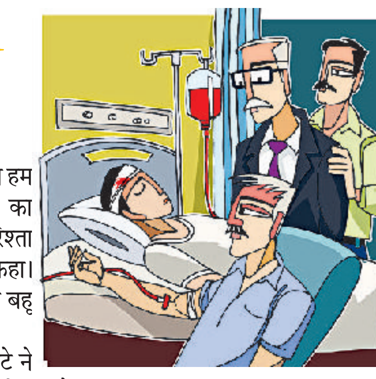

भाई साहब पिछले हफ्ते जिस लड़की को हम लोग देखने गए थे, उस लड़की का सिविल सेवा में चयन हो गया है। अब तो रिश्ता पक्का कर दीजिए।' गोपी बाबू के छोटे भाई ने कहा।

'नहीं छोटे, वह लड़की हमारे घर की कभी बहू नहीं बन सकती।' गोपी बापू ने कहा।

'क्यों भैया क्या दोष है उस बच्ची में?' छोटे ने पूछा। 'दोष उसमें नहीं उसके पिताजी में है।' गोपी बापू ने पलटकर कहा। 'कौन सा दोष.. कैसा दोष भैया?' 'उसके पिताजी हमारे ही कारखाने में मजदूर हैं।' नथुने फुलाते हुए गोपी बापू ने कहा। इस पर छोटे ने कहा, 'यह तो अच्छी बात है। मेहनती बाप की मेहनती बेटी अपने घर की बहू बनेगी।' छोटे भाई ने समझाया। 'नहीं छोटे, हम अपने मजदूर को अपने बराबर नहीं बैठा सकते। उसको अपना समधी नहीं बना सकते। उसके पसीने की बदबू हमारे बदन का इत्र नहीं बन सकती।' गोपी बापू ने दलील दी। उसी समय मोबाइल की घंटी बजी। उधर से आवाज आई, 'हैलो गोपी बाबू, सिटी अस्पताल आ जाइए तुरंत। आपके बेटे का एक्सीडेंट हो गया है।'

'अरे..अभी आया।' गोपी बापू ने माथे का पसीना पोंछा फिर घबराते हुए अस्पताल भागे। अस्पताल पहुंचकर जो दृश्य गोपी ने देखा, उसे देखते रह गए। दरअसल, वही मजदूर उनके लड़के को अपना खून दे रहा था, जिसको वे अपने बराबर बैठाना नहीं चाहते थे। *

हो सकता है आपने कुछ नेशनल पार्क और वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी की यात्रा की हो। लेकिन अगर आप दुनिया के सबसे अनूठे नेशनल पार्क का अनुभव लेना चाहते हैं तो आपको मणिपुर स्थित तैरते हुए नेशनल पार्क कीबुल लामजाओ की यात्रा करनी होगी। इस अनोखे नेशनल पार्क की विशेषताओं के बारे में जानिए।

दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ नेशनल पार्क कीबुल लामजाओ

टूरिस्ट प्लेस
समीर चौधरी

मणिपुर की लोकटक झील के दक्षिण हिस्से में कीबुल लामजाओ नेशनल पार्क यानी राष्ट्रीय उद्यान है, जोकि दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ नेशनल पार्क है। मणिपुर के विष्णुपुर जिले में, इंफाल से लगभग 50 किमी. की दूरी पर यह पार्क 40 वर्ग किमी. में फैला हुआ है और यह लुप्तप्राय संगाई हिरण (नृत्य करने वाला हिरण) का अकेला प्राकृतिक घर है। यह उद्यान न केवल पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था (मत्स्य पालन, जल विद्युत) के लिए भी मायने रखता है।

जैव-विविधता से भरपूर: कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान, जैवविविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह अपनी विशिष्ट तैरती फुमदिस और यहां खास तौर से पाए जाने वाले संगाई हिरण के लिए भी विख्यात है। फुमदिस सड़ी-गली वनस्पतियों, मिट्टी और जड़ों का तैरता हुआ समूह होता है। यह झील के पानी के ऊपर तैरता रहता है, जिसमें 450 से अधिक जलीय वनस्पतियों की प्रजातियां, जंगली सूअर, हॉग हिरण, बड़ी भारतीय सिवेट जैसे जीव पाए जाते हैं। नवंबर से मार्च के बीच इस पार्क में प्रवासी पक्षी भी आते हैं, इसलिए यात्रा करने का यही सबसे अच्छा समय माना जाता है।

अपने-आप में अनूठा राष्ट्रीय उद्यान: कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान, एक ऐसी जगह है, जहां प्रकृति ने अपने नियम नए सिरे से लिखे हैं, जिसकी वजह से नाजुक, तैरता हुआ एक अजूबा भूखंड बन गया है। इस अलौकिक लैंडस्केप में मणिपुर का नृत्य करने वाला संगाई हिरण घूमता हुआ दिखता है, जिसके तेज गति से दौड़ते कदम, तैरते घास के मैदान पर बहुत आकर्षक लगते हैं। एक जमाना था जब यह माना जाने लगा था कि संगाई हिरण विलुप्त हो गया है। ऐसे में यहां उनके बचे रहने की संभावना ने नई उम्मीद को जगाया है, दरअसल, अनोखी प्राकृतिक संरचना फुमदिस की स्थिरता का यहां के जीवों के लिए बहुत महत्व है। न सिर्फ हिरण के लिए बल्कि उस पूरे ईकोसिस्टम के लिए भी, जो पृथ्वी पर कहीं और है ही नहीं।

बढ़ रही नाचते हिरण की संख्या: सन् 1954 तक यह मान लिया गया था कि संगाई हिरण की प्रजाति लुप्त हो गई है। संगाई तैरते फुमदिस के अतिरिक्त कहीं भी जीवित नहीं रह सकता है। इसकी वजह शिकार और फुमदिस का खत्म होना माना गया। इसके लगभग दो दशक बाद सन् 1974-75 के बीच किए गए हवाई सर्वे के दौरान उम्मीद की किरण जागी। कीबुल लामजाओ के तैरते फुमदिस में लगभग 14 संगाई देखे गए, जिसकी वजह से इनके संरक्षण प्रयासों में नया जोश आया और सन् 1995 तक इनकी संख्या बढ़कर 155 हो गई, जो सन् 2016 में 260 तक पहुंच गई। तैरते फुमदिस पर संगाई की नजाकत भरी चाल ने ही इसे 'नाचते हिरण' का नाम दिया है।

इसलिए मिला राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा: संगाई की खोज के बाद ही भारत सरकार और मणिपुर की सरकार ने वन्यजीवन संरक्षण कानून 1972 के तहत 1977 में कीबुल लामजाओ को 'राष्ट्रीय उद्यान' (नेशनल पार्क) घोषित किया। संगाई हिरण और उसके प्राकृतिक आवास स्थल यानी फुमदिस के लिए यह कानूनी सुरक्षा जरूरी थी। संगाई केवल एक प्रजाति नहीं है बल्कि सांस्कृतिक जड़ों वाला पशु है, जिसने हजारों वर्षों के दौरान तैरते फुमदिस पर रहने के लिए खुद को ढाल लिया है और यह लैंडस्केप व मणिपुर के लोगों के बीच गहरे संबंध को प्रतिबिंबित करता है।

मौजूद हैं कई चुनौतियां: इस अनोखे राष्ट्रीय उद्यान के समक्ष कई इकोलॉजिकल चुनौतियां हैं। लोकटक हाइड्रोइलेक्ट्रिकल प्रोजेक्ट कृत्रिम रूप से पानी के स्तर को नियंत्रित करता है, जिससे फुमदिस चक्र बाधित होता है और यहां के तैरते हुए ईकोसिस्टम की स्थिरता के लिए खतरा उत्पन्न होता है। गौरतलब है कि कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान को परिभाषित करने वाला फीचर उसका तैरता इकोसिस्टम ही है, जो संगाई को जीवित रखने के लिए आवश्यक है। एक ताजा अध्ययन में मणिपुर के इस आइकॉनिक हिरण के भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। क्लाइमेट चेंज की वजह से 2070 तक फुमदिस सिकुड़ जाएगा और जब फुमदिस नहीं होगा, तो संगाई का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। *

फुमदिस से जुड़े दिलचस्प तथ्य

फुमदिस वनस्पति, मिट्टी आदि की तैरती हुई मोटी परत होती है, जोकि जलीय पौधों और अन्य चीजों से मिलकर हजारों वर्षों में तैयार होती है। यह संगाई एवं अन्य वन्यजीवों को चरने की जगह, प्रजनन स्थल और आवास प्रदान करती है। दिलचस्प यह है कि फुमदिस प्राकृतिक जल चक्र है यानी यह झील के तले तक डूब जाती है पौष्टिक तत्व जज्ब करने के लिए। फिर कुछ समय बाद ऊपर उठ जाती है। यह चक्र उसके बने रहने के लिए आवश्यक है। फुमदिस केवल वनस्पति का टुकड़ा नहीं है बल्कि जीवित स्ट्रक्चर है। यह एक मोटी परत होती है, जिस पर बड़े जानवर भी रहते हैं। इस पर जो घास उगती है वह पूरे साल यहां निवास करने वाले वन्य जीवों को आवश्यक पौष्टिक तत्व प्रदान करती है।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

कई बार लोग प्रतिभावान और क्षमतावान होते हुए भी एक सीमित दायरे से बाहर निकलकर कुछ बड़ा अचीव नहीं कर पाते। अगर लाइफ में कुछ बड़ा हासिल करना है तो अपनी क्षमताओं को पहचान कर उसे एक्सप्लोर करना जरूरी है। यह कैसे होगा, बता रहे हैं आपको।

अपनी छिपी स्ट्रेंथ को ऐसे करें एक्सप्लोर

हम अकसर अपने आपको एक मानसिक दायरे में बंद कर लेते हैं और फिर कुएं के मेंढक की तरह उस दायरे से बाहर निकलने की कोशिश ही नहीं करते। स्वयं द्वारा निर्मित अपनी मानसिक शारीरिक सीमाओं को अपनी वास्तविकता मान लेते हैं, जबकि वे केवल हमारे विचारों की उपज होती हैं। ऐसे में हम आगे नहीं बढ़ पाते। आगे बढ़ने और तरक्की करने के लिए जरूरी है अपनी क्षमता को एक्सप्लोर करना। इसका अर्थ है, अपने डर के पार जाना। जब आप स्वयं पर लगे 'लेबल' हटा देते हैं, तो आप पाते हैं कि आप उससे कहीं अधिक हैं, जितना आपने कभी सोचा था।

हमारे भीतर है असीमित क्षमता: हम अपनी क्षमताओं का केवल 10 प्रतिशत ही इस्तेमाल करते हैं। यह आपने अकसर पढ़ा या सुना होगा। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि बाकी 90 प्रतिशत क्षमता का क्या होता है? वह बिना उपयोग के ही व्यर्थ के कामों में जाया हो जाती है। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि इंसानी दिमाग की क्षमता का कोई अंत नहीं है। कैरोल ड्वेक अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'माइंडसेट' में बताती हैं, 'ग्रोथ माइंडसेट' के साथ, हम अपनी क्षमता को असीमित रूप से विकसित कर सकते हैं। जब हम यह मानते हैं कि हमारी बुद्धिमत्ता और प्रतिभा को मेहनत और सीखने के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है, तो हम अपनी सीमाओं को तोड़कर आगे बढ़ सकते हैं।' अब्राहम मैस्लो, जो मानवतावादी मनोविज्ञान के जनक माने जाते हैं, का मानना था कि हर इंसान में आत्म-वास्तविकीकरण की क्षमता होती है। यह वह अवस्था है, जहां हम अपनी पूरी क्षमता को पहचानते हैं और उसे हासिल करते हैं। उनके अनुसार, यह हम सभी की अंतर्निहित इच्छा होती है कि हम वह बनें, जो हम बनने के लिए सक्षम हैं।

लोगों का साथ लें: हमारी क्षमता केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक भी है। आधुनिक समाजशास्त्र के प्रमुख संस्थापकों में से एक एमिल दुर्खीम का मत है कि कि हम सामाजिक संबंधों और सहयोग के माध्यम से अपनी क्षमता को बढ़ा सकते हैं। हमारे आस-पास के लोग, हमारी संस्कृति और हमारा सामाजिक माहौल हमारी क्षमताओं को आकार दे सकते हैं। दूसरों की मदद लेने से ही नहीं, उनकी मदद करने से भी हमारी क्षमताएं बढ़ती हैं। प्रमुख समाजशास्त्री मैक्स वेबर का मानना था कि अनुशासित और केंद्रित मेहनत, जो कि एक सामाजिक गुण भी है, से हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं और अपनी क्षमता का अधिकतम उपयोग कर सकते हैं।

कैसे करें अपनी क्षमता को एक्सप्लोर: अपनी असीमित क्षमता को एक्सप्लोर करने के लिए सबसे पहले, यह विश्वास करें कि आप में कुछ भी हासिल करने की क्षमता है। कभी भी नई चीजें सीखना न छोड़ें। नई किताबें पढ़ें और निरंतर नए अनुभव प्राप्त करें। कभी भी हार न मानें। अपनी असफलताओं से सीखें और आगे बढ़ें।

दिमाग के लचीलेपन का इस्तेमाल करें: जीनियस पैदा नहीं होते, गहन अभ्यास से जीनियस बनते हैं। प्रतिभा विकसित की जा सकती है। हमारा दिमाग लचीला होता है। इसका नियमित उपयोग और दिमागी मशक्कत करने से इसकी क्षमता निरंतर बढ़ती है। इस संबंध में जिम क्विक अपनी बेस्ट सेलर पुस्तक 'लिमिटलेस' में लिखते हैं, 'अपने दिमाग को अपग्रेड करें, कुछ भी तेजी से सीखें और अपने असाधारण जीवन को अनलॉक करें।' उनका कहना है कि हम अपनी सोच (माइंडसेट), प्रेरणा (मोटिवेशन) और तरीकों (मेथड्स) में बदलाव करके अपनी दिमागी क्षमताओं को असीमित कर सकते हैं, जिसमें सीमाओं को चुनौती देना, नींद को प्राथमिकता देना और लगातार अभ्यास करना शामिल है, ताकि हम तेजी से सीख सकें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। मैं यह नहीं कर सकता, जैसे विचारों को 'मैं यह सीख सकता हूं' में बदलें। अपनी बुद्धि को स्थिर न मानें, यह बढ़ सकती है। *

अक्षय तृतीया विशेष

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है अक्षय तृतीया का पर्व। मान्यता है कि इस दिन किए जाने वाले शुभ कार्यों का अक्षय फल मिलता है। इस पर्व की महत्ता, इससे जुड़ी परंपराओं और मान्यताओं पर एक दृष्टि।

शुभ कार्यों का अक्षय फल प्रदान करती अक्षय तृतीया

पर्व-संस्कृति
धीरज बसाक

भारतीय पंचांग में कुछ तिथियां पूरे जीवन-दर्शन को अपने भीतर समेटे रहती हैं। अक्षय तृतीया ऐसी ही एक विशिष्ट तिथि है, जो अक्षयता यानी कभी न समाप्त होने वाली ऊर्जा, पुण्य और समृद्धि का प्रतीक बनकर उभरती है।

धार्मिक-पौराणिक मान्यताएं: अक्षय तृतीया की तिथि का धार्मिक और पौराणिक आधार भी इसे विशेष बनाता है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान विष्णु के अवतार श्री परशुराम जी का जन्म हुआ था, जो धर्म और न्याय की स्थापना के प्रतीक माने जाते हैं। यह भी मान्यता है कि इसी दिन वेदव्यास ने महाभारत की रचना आरंभ की थी, जो भारतीय सभ्यता के नैतिक और दार्शनिक आधारों को समझने का सबसे बड़ा ग्रंथ है और इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अपने मित्र सुदामा द्वारा सच्चे भाव से दिए गए एक छोटे से दान के बदले उन्हें दो 'लोक' प्रदान कर दिए थे। इन सभी कथाओं का सार यही है कि निःस्वार्थ भाव से किया गया कर्म कभी नष्ट नहीं होता।

सिखाती है जीने का संतुलित तरीका: भारतीय संस्कृति में यह विचार बहुत गहराई तक समाया हुआ है कि संसार की हर भौतिक वस्तु नश्वर है। लेकिन सत्कर्म, करुणा और धर्म के फल अक्षय होते हैं। अक्षय तृतीया इसी शाश्वत सत्य का उत्सव है। यह तिथि हमें याद दिलाती है कि जीवन में किए गए अच्छे कर्म, दान, सद्भाव कभी व्यर्थ नहीं जाते, वे किसी न किसी रूप में अक्षय बने रहते हैं। यह हमें केवल पूजा-पाठ की संस्कृति ही नहीं सिखाती बल्कि जीवन जीने का एक संतुलित और संवेदनशील तरीका भी सिखाती है।

कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन: अक्षय तृतीया पर्व जिस समय मनाया जाता है, वह रबी की फसल के पकने का समय होता है। खेतों में सुनहरी बालियां लहलहा रही होती हैं और किसान अपनी नई फसल को भगवान को अर्पित करते हैं। यह केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं बल्कि मानव और प्रकृति के बीच संतुलन और सम्मान का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को माता के रूप में देखा गया है और अक्षय तृतीया, प्रकृति के उस मातृत्व के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है।

धार्मिक-सामाजिक-आर्थिक महत्व: अक्षय तृतीया के दिन सोना खरीदने की परंपरा केवल भौतिक समृद्धि का प्रतीक नहीं है बल्कि इस विश्वास का प्रतीक भी है कि आज किया गया निवेश भविष्य में स्थाई फल देगा। नए कार्यों की शुरुआत, गृह प्रवेश और विवाह आदि के लिए इस दिन को अत्यंत शुभ माना जाता है। विशेष बात यह है कि इस दिन किसी विशेष मुहूर्त की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि पूरा दिन ही शुभ-मुहूर्त वाला होता है।

दान-पुण्य और सेवा का संदेश: अक्षय तृतीया का महत्व केवल सोने-चांदी, आभूषणों या अन्य भौतिक वस्तुओं की खरीदारी तक ही सीमित नहीं है। इस दिन अन्न, जल, वस्त्र और कलश के दान करने की भी प्रथा है। गर्मी के मौसम में जरूरतमंदों को पानी पिलाना, भूखों को भोजन कराना, इस दिन ये सभी कार्य अत्यंत पुण्यदायी माने जाते हैं। ये परंपराएं हमें सिखाती हैं कि समाज में समृद्धि तभी अक्षय हो सकती है, जब हर किसी का उसमें हिस्सा हो। अक्षय तृतीया इसी सांस्कृतिक दर्शन के संतुलन का नाम है, जो बताती है कि सिर्फ भौतिक प्रगति ही पर्याप्त नहीं है बल्कि आध्यात्मिक और नैतिक विकास भी उतना ही जरूरी है।

शुभ कर्मों से मिलता है अक्षय फल: अक्षय तृतीया भारतीय संस्कृति की उस गहरी परंपरा से नाता रखती है, जहां धर्म, अर्थ, प्रकृति और समाज, चारों का सुंदर समन्वय होता है। यह तिथि हमें यह विश्वास दिलाती है कि हमारे कर्म सही दिशा में हैं, तो उनका फल कभी समाप्त नहीं होगा। वास्तव में यही अक्षयता का वास्तविक दर्शन है। एक ऐसा जीवन, जिसमें अच्छाई निरंतर प्रवाहित होती रहे। इस प्रकार देखें तो अक्षय तृतीया केवल एक पर्व नहीं बल्कि प्राचीन भारतीय जीवन-दर्शन की आत्मा का मूल है, जो हमें सिखाती है- जो भी शुभ करो, वह सदा के लिए अक्षय हो जाता है। *

प्रवृत्ति
शाहिद ए. चौधरी

ज्ञान-संस्कृति-विचारों की नई खिड़की खोलती हैं किताबें

भले ही पढ़ने और लिखने की नई-नई तकनीकें विकसित हो चुकी हैं, लेकिन किताबें हाथ में लेकर पढ़ने का सुख अनोखा होता है। पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने और कॉपीराइट के प्रति जागरूक करने के लिए ही **23 अप्रैल को विश्व पुस्तक, कॉपीराइट दिवस** मनाते हैं। इस दिवस की महत्ता पर एक नजर।

किताबें खिड़की की तरह होती हैं, जिसमें से दिखाई देता है एक नया संसार। हर नए पृष्ठ के साथ किताबें परिचित कराती हैं- नए लोगों से, नई संस्कृतियों से और नए विचारों से। गांधीजी ने कहा था, 'विचारों के युद्ध में पुस्तक ही शस्त्र है।' शायद यही वजह है कि ई-बुक्स के इस दौर में भी अनेक लोगों को अच्छे कागज पर छपी, जिल्द में बंधी, किताब अपने हाथों में लेकर पढ़ना ही अच्छा लगता है। हालांकि ऐसे लोगों को शायद आज परंपरागत मूल्यों में यथास्थिति का पक्षधर माना जा सकता है। लेकिन इससे पुस्तकप्रेमियों को कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि किताबें पढ़ने की उनकी आदत जो बन गई है।

नई पीढ़ी हो रही किताबों से दूर

पढ़ने की प्रवृत्ति को लेकर एक पक्ष यह है कि रील्स और वीडियोज की आधुनिक चकाचौंध में गुम आज की पीढ़ी तो टेक्स्ट बुक्स की तुलना में नेट के वीडियो लेक्चर्स को वरीयता देती है। यह पीढ़ी किताब पढ़ने की बजाय ऑडियो-बुक्स को सुनना पसंद करती है। क्या पढ़ने और सुनने में समान एकाग्रता बनी रहती है और बराबर का ज्ञान मिलता है? इस पर बहस हो सकती है। बहरहाल, युवा पीढ़ी किताबों से जिस अंदाज से दूर हो रही है या उसे बंद कर रही है या उसे खोलना ही नहीं चाहती है, उस पर शम्स तबरेज का यह शेर याद आता है-

अजीब किस्म की उभरी थी शक्ल लफ्जों से
किताब बंद न करता तो डर गया होता।

इसलिए मनाते हैं विश्व पुस्तक दिवस

किताबों से बढ़ती दूरी की पृष्ठभूमि में यूनेस्को की कोशिश है कि लोग किताबों को खोलें, उन्हें पढ़ें, उनमें अपनी दिलचस्पी बढ़ाएं और ज्ञानी बनें, क्योंकि किताबों से बढ़कर कोई पक्का दोस्त नहीं होता। किताबें पीढ़ियों के बीच में और संस्कृतियों के बीच में पुल का काम करती हैं। इसी तथ्य को मान्यता प्रदान करने के लिए यूनेस्को यानी संयुक्त राष्ट्र संघ हर साल 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस मनाता है।

इस वर्ष के लिए चयनित पुस्तक राजधानी

हर साल इस जश्न को मनाने के लिए यूनेस्को व पुस्तक उद्योग के मुख्य सेक्टर्स- प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता, पुस्तकालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठन मिलकर विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करते हैं। चुना हुआ शहर सभी आयु वर्गों और सभी समाजों में किताबों और पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करता है, न सिर्फ मेजबान देश में बल्कि पूरे विश्व में। यूनेस्को ने अब तक 26 विश्व पुस्तक राजधानियां घोषित की हैं, जिनकी शुरुआत 2001 में मेड्रिड (स्पेन) से हुई थी। इस वर्ष 2026 की पुस्तक राजधानी रबात (मराकश) को चुना गया है। रबात में मेन फोकस, संस्कृतियों को जोड़ने में पुस्तकों की भूमिका पर होगा। इसके अलावा इस वर्ष पुस्तक दिवस का फोकस पढ़ने के साथ साक्षरता पर भी है, जिसमें पढ़ने के घंटे को भी प्राथमिकता दी गई है। आमतौर से शाम को 7 से 8 बजे तक का समय किताब पढ़ने के लिए मुफीद माना जाता है। यानी रोजाना कम से कम एक घंटा किताब पढ़ने की प्रवृत्ति विकसित की जाए, इस पर फोकस किया जा रहा है।

नई चुनौतियां भी कम नहीं

इसके अतिरिक्त इस बात पर भी गंभीर चर्चा हो रही है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की लेखकों के लिए प्रकाशन और कॉपीराइट सुरक्षा में क्या भूमिका होनी चाहिए? यह गंभीर विषय है और पेचीदा भी। एआई कॉपीराइट की परवाह किए बिना किसी के भी कार्य को सार्वजनिक करने की क्षमता रखती है, जिससे लेखकों व प्रकाशकों को नुकसान की आशंका रहती है। लेकिन एआई को नियंत्रित करना भी आसान नहीं है। फिर भी कोई न कोई रास्ता तो निकालना ही होगा। *

कॉपीराइट सुरक्षा पर भी केंद्रित है यह दिवस

इस दिवस को मनाने का उद्देश्य कॉपीराइट सुरक्षा को भी प्रोत्साहित करना होता है, जैसा कि इसके नाम से स्पष्ट है। भारत में कॉपीराइट सुरक्षा 1957 के कॉपीराइट कानून से संचालित होती है, जिसके तहत स्वतः ही मूल साहित्य, नाटक, संगीत, सिनेमेटोग्राफ फिल्म्स/साउंड रिकॉर्डिंग्स सुरक्षित हो जाती हैं। सुरक्षा के लिए पंजीकरण आवश्यक नहीं है, लेकिन विवाद की स्थिति में प्रथम दृष्टया इसे साक्ष्य माना जाता है। कॉपीराइट सुरक्षा आमतौर से लेखक के जीवनकाल और उसके बाद अतिरिक्त 60 वर्षों तक लागू रहती है। यह 60 साल लेखक की मृत्यु के दिन से गिने जाते हैं। कानूनी साक्ष्य के लिए पंजीकरण करा लेना चाहिए, भले ही वह वैकल्पिक हो। इसके लिए कॉपीराइट ऑफिस में अप्लाई करना होता है। फोटोग्राफ, फिल्म, साउंड रिकॉर्डिंग, अज्ञात व सरकारी कार्य का कॉपीराइट प्रकाशन के बाद 60 वर्षों तक रहता है। इस दौरान लेखक को एक्सक्लूसिव अधिकार होता है, अपने कार्य के पुनः प्रकाशन, कापियां जारी करने, परफॉर्म करने, अनुवाद करने या एडॉप्ट करने का। कॉपीराइट उल्लंघन की स्थिति में दोनों दीवानी (मुआवजा), आपराधिक सजा (6 माह से 3 वर्ष की कैद और जुर्माना) का प्रावधान है। सेक्शन 52 के तहत कॉपीराइट उल्लंघन के अपवाद हैं जैसे निजी प्रयोग, शोध, आलोचना, समीक्षा या रिपोर्टिंग।